RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर



"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 261 , गुरुवार, 05 नवंबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com



अधिकृत पानी हटाकर दूसरा ब्रांड बेचने का दबाव, 10 हजार रुपये मासिक रिश्वत मांगने... 03



कृषि योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं लक्ष्य समय पर पूरा करें... 04

रश्मिका मंदाना की मैसा में दिखेगा बाप-बेटी का अनोखा रिश्ता, पहला... 07

संक्षिप्त समाचार

राजस्थान में रेलवे ट्रैक पर जबरदस्त ब्लास्ट

● 45 मिनट पहले पैसेंजर ट्रेन गुजरी थी, बाल-बाल बची

अनूपगढ़ (एजेंसी)। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में रेलवे लाइन पर मंगलवार रात 9.45 बजे ब्लास्ट हो गया। अनूपगढ़-सूरतगढ़ ट्रैक पर धमाके से पहले रात 9 बजे पैसेंजर ट्रेन गुजरी थी। धमाके की आवाज 200 मीटर दूर तक सुनाई दी।



ब्लास्ट के कारण पटरी के नीचे लगे सीमेंट के दो ब्लॉक पूरी तरह से टूट गए। पटरियों के बीच 2 फीट गहरा गड्ढा हो गया। ब्लास्ट की जानकारी के बाद आईबी, सीआईडी और एंटी टेरेरिस्ट स्क्वॉड के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। घटना के करीब 15 घंटे बाद बुधवार दोपहर 1.30 बजे ट्रैक के मरम्मत का काम शुरू हुआ।

गुवाहाटी शूटआउट का आरोपी एनकाउंटर में ढेर

● पुलिस से पिस्टल छीनने की कोशिश की, मारा गया

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के शिवसागर जिले में बुधवार को पुलिस फायरिंग में गुवाहाटी होटल गोलीकांड के आरोपी घनकांत गोगोई की मौत हो गई। उस पर 26 अक्टूबर को होटल में 5 लोगों की



गोली मारकर हत्या का आरोप था। पुलिस के मुताबिक, गोगोई को गुवाहाटी से शिवसागर ले जाया जा रहा था। इसी दौरान उसने सब इंस्पेक्टर की पिस्टल छीनने की कोशिश की। जवाबी फायरिंग में वह घायल हो गया। अस्पताल ले जाते वक्त रास्ते में उसकी मौत हो गई।

बबुआ को समझाइए जनता बदला नहीं बदलाव करती है

● योगी बोले-आप लोगों ने सपा अध्यक्ष का बयान पढ़ा होगा

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में बुधवार को भाजपा ने गोरखपुर, कानपुर और प्रयागराज में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' रैली निकाली।



गोरखपुर में सीएम योगी ने कहा- आप लोगों ने सपा अध्यक्ष का बयान पढ़ा होगा। दिल्ली का उनका बयान बड़ा विचित्र सा बयान था। वे कहते हैं कि अगली पीढ़ी हर लाठी और हर जख्म का बदला लेगी। सपा के बबुआ को थोड़ा समझाइए, लोकतंत्र में बदला नहीं, जनता बदलाव करती है। उन्होंने कहा- जैसे 2014 में देश के अंदर जनता ने बदलाव किया था, 2017 में प्रदेश में किया था।

नवी मुंबई में बन रही देश की पहली समुद्री रेल-टनल

● 7 किलोमीटर लंबी, 35 मंजिला इमारत जितनी गहराई में दौड़ेगी बुलेट ट्रेन; दुनिया का छठा प्रोजेक्ट

सावली (एजेंसी)। नवी मुंबई के सावली में देश की पहली समुद्री रेल सुरंग बनाई जा रही है। इस सुरंग से देश की पहली बुलेट ट्रेन गुजरेगी। सुरंग बनाने का काम जमीन से 114 मीटर नीचे चल रहा है, यानी इतनी गहराई, जितनी 35 मंजिला ऊंची इमारत होती है। समुद्र के अंदर सुरंग बनाने का यह छठा प्रोजेक्ट है। दुनिया में सबसे ज्यादा 2 समुद्री सुरंगें जापान में हैं। इसके अलावा चीन, नॉर्वे में एक-एक समुद्री सुरंग है। ब्रिटेन और फ्रांस के बीच भी एक समुद्री सुरंग बनी है। भारी गर्मी और घुटन के बीच करीब 1,200 मजदूर और इंजीनियर दिन-रात इस काम में जुटे हैं। सावली से शीलफाटा के बीच 4.8 किलोमीटर लंबी सुरंग पहले ही तैयार हो चुकी है। अब समुद्र के अंदर 7 किलोमीटर लंबी सुरंग खोदी जा रही है, जिसके लिए 3,000 टन भारी मशीन लगातार खुदाई कर रही है। आमतौर पर मेट्रो के आने-जाने



चीन से इसी साल मार्च में मिली टीबीएम

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन की 21 किमी लंबी टनल का सबसे अहम हिस्सा सावली से विक्रोली (9.7 किमी) है। समुद्री टनल इसी का मुख्य भाग है। इसमें 7 किलोमीटर का हिस्सा पूरी तरह पानी की ऊपरी लेयर से 5 से 8 मीटर तक नीचे होगा। यहां अभी 10 फीसदी काम हो चुका है।

के लिए दो अलग सुरंगे बनती हैं, लेकिन यहां एक ही चौड़ी सुरंग के अंदर से दोनों तरफ की बुलेट ट्रेनें एक साथ निकलेंगी। समुद्र के नीचे ट्रेन की रफ्तार 180 से 280 किलोमीटर प्रति घंटा रहेगी, जबकि बाहर आते ही यह 320 किलोमीटर प्रति घंटे की टॉप स्पीड पकड़ेगी।

पानी का दबाव और कंपन रोकना बड़ी चुनौती

विक्रोली से बीकेसी के बीच इमारतों, फ्लाईओवरों को कंपन से बचाने के लिए टीबीएम की गति 4 आरपीएम पर सेट है। जमीन पर रियल-टाइम सेटलमेंट सेंसर 24 घंटे हलचलों की निगरानी कर रहे हैं। पानी का दबाव : गीली मिट्टी और भारी जलदाब के कारण समुद्री सुरंग में पानी भरने का जोखिम है। इससे बचने स्लरी बेस्ड मिक्स शील्ड टीबीएम चल रही है, जो मिट्टी-पानी के गाढ़े घोल की मदद से खुदाई कर रही है। 13.6 मीटर व्यास वाली विशाल सुरंग एनएटीएम तकनीक से खोदते तो इसके ढहने की आशंका ज्यादा थी। इसलिए टीबीएम से खुदाई के साथ ही कंक्रीट रिंग सेगमेंट्स और वाटरप्रूफ सीलिंग लगा रहे हैं।

लोकतंत्र में धरना और भूख हड़ताल की जगह नहीं

● हाईकोर्ट बोला-यूनिवर्सिटी राजनीति नहीं, पढ़ाई की जगह

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल हाईकोर्ट ने कहा है कि धरना, भूख हड़ताल और सत्याग्रह जैसी गतिविधियों की संवैधानिक लोकतंत्र में जगह नहीं है। कोर्ट ने कहा- शिक्षण संस्थान पढ़ाई के लिए हैं,



राजनीति के लिए नहीं। ऐसी गतिविधियों में शामिल छात्रों को संस्थान से निष्कासित किया जा सकता है। कोर्ट ने यह टिप्पणी कालडी स्थित श्री शंकराचार्य संस्कृत यूनिवर्सिटी के 16 निलंबित छात्रों के मामले में की। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने सिंगल जज के उस अंतरिम आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें छात्रों को 4 नवंबर से शुरू होने वाली सेमेस्टर परीक्षाओं में बैठने की इजाजत दी गई थी। हाईकोर्ट से राहत नहीं मिलने के बाद अब 16 छात्रों ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

अग्निवीरों को मोदी सरकार का दीवाली गिफ्ट!

● पचहत्तर फीसदी को मिलेगा 2 साल का एक्सटेंशन ● सीडीएस का ऐलान-सैलरी भी बढ़ेगी, नौकरी पक्की

नई दिल्ली (एजेंसी)। नरेंद्र मोदी सरकार ने अग्निवीरों को बड़ा दीवाली गिफ्ट दिया है। केंद्र ने अग्निवीरों की सेवा अवधि बढ़ाने का ऐलान किया है। सीडीएस जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने बताया कि अग्निवीरों को दो साल का और इंगेजमेंट पीरियड मिलेगा। इसके बाद आर्म्ड फोर्सेज में भी एनरोलमेंट किया जाएगा। दो साल का पीरियड पूरा होने के बाद ऑब्जेक्टिव सेलेक्शन प्रक्रिया के जरिए उन्हें सेना में भर्ती का मौका मिलेगा। सरकार ने बुधवार को 'अग्निवीरों' को दो साल का सेवा विस्तार देने की घोषणा की। यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब करीब 18,000 अग्निवीरों को कुछ सप्ताह बाद सशस्त्र बलों से सेवामुक्त होना था। सीडीएस



जनरल एन एस राजा सुब्रमणि ने कहा कि सभी अग्निवीरों को सशस्त्र बलों में अपनी सेवा जारी रखने का अवसर दिया जाएगा। सीडीएस ने कहा कि यह अवसर उनके प्रदर्शन और उसके आंकलन पर निर्भर करेगा। 'अग्निपथ' योजना के तहत अग्निवीरों की भर्ती चार साल के कार्यकाल के लिए की गई थी। इसमें प्रावधान था कि इनमें से केवल 25 प्रतिशत अग्निवीरों को ही नियमित सेवा में बरकरार रखा जाएगा।

75 फीसदी अग्निवीरों को दो साल का एक्सटेंशन

उन्होंने कहा कि पहले 75 फीसदी अग्निवीरों के लिए यह प्रावधान था कि वे अनुशासित और प्रेरित युवाओं के रूप में वापस समाज में लौट जाएंगे। हालांकि, इस अपडेट की गई योजना के तहत, बाकी बचे 75 फीसदी अग्निवीरों को अब दो साल का अतिरिक्त कार्यकाल दिया जाएगा। इन दो साल के पूरा होने पर, जो भी इच्छुक होंगे, उन्हें एक तय चयन प्रक्रिया के आधार पर सशस्त्र बलों में शामिल कर लिया जाएगा।

अग्निवीरों को मिलेगा सेवा विस्तार

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने कहा कि आज का दिन भारतीय रक्षा बलों और हमारे अग्निवीरों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। कैबिनेट ने सभी अग्निवीरों के लिए भारतीय रक्षा बलों में शामिल होने का रास्ता खोल दिया है। जैसा कि आप जानते हैं, अग्निपथ योजना 14 जून 2022 को शुरू की गई थी। उस समय यह बताया गया था कि अग्निवीरों के प्रदर्शन का लगातार मूल्यांकन किया जाएगा और समय-समय पर इस योजना की समीक्षा की जाएगी। सीडीएस ने कहा कि अग्निवीरों का पहला बैच अब अपना चार साल का कार्यकाल पूरा करने के करीब है। इन चार वर्षों में किए गए प्रदर्शन मूल्यांकन के आधार पर, हमें उनके काम को लेकर बहुत सकारात्मक फीडबैक मिला है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-कानून पर विचार की है जरूरत

दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव से रोकना गलत

देश के 5 राज्यों में लागू है नियम, कई और में तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकने वाले कानून अब प्रासंगिक नहीं रह गए हैं। कोर्ट ने बताया कि भारत की कुल प्रजनन दर 2003 में 3 थी, जो अब घटकर 1.9 रह गई है। 2.1 की प्रजनन दर को रिप्लेसमेंट रेट माना जाता है। इससे कम प्रजनन दर का मतलब है कि एक पीढ़ी अपनी जगह अगली पीढ़ी को पूरी तरह नहीं ले पाएगी। कोर्ट ने कहा कि प्रजनन दर में गिरावट से बुजुर्गों की आबादी बढ़ सकती है और कामकाजी लोगों की संख्या घट सकती है। इन बदलावों को नजरअंदाज करने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने महाराष्ट्र की पूर्व सरपंच मंगला भीमराव को राहत दी। उन्हें तीसरे बच्चे के जन्म के कारण अयोग्य ठहराया गया था।



7 राज्यों ने दो बच्चों की शर्त खत्म की

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार की ओर से पेश वकील रुक्मिणी बोबडे को कोर्ट की मदद के लिए एमिकस क्यूरी नियुक्त किया था। कोर्ट ने उनसे और याचिकाकर्ता के वकील प्रतीक बोरबडे से उन राज्यों की सूची मांगी थी, जहां दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने पर रोक है। रुक्मिणी बोबडे की ओर से दी गई सूची के मुताबिक, 7 राज्यों ने दो बच्चों की शर्त खत्म कर दी है, जबकि 15 राज्यों में ऐसी कोई नीति नहीं है।

मौजूदा कानून राजनीतिक अधिकारों से वंचित करते हैं

बेंच ने कहा कि दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकने वाले कानून नागरिकों के एक पूरे वर्ग को राजनीतिक प्रतिनिधित्व से बाहर कर देते हैं। इसका किसी व्यक्ति की सार्वजनिक पद संभालने की क्षमता से कोई खास संबंध नहीं है। कोर्ट के मुताबिक, ऐसे कानून लोगों को बच्चे पैदा करने या लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हिस्सा लेने में से किसी एक को चुनने के लिए मजबूर करते हैं। इससे संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मिले प्रजनन से जुड़े फैसले लेने की आजादी के अधिकार का उल्लंघन होता है। ममंगला भीमराव महाराष्ट्र की काकोड़ा ग्राम पंचायत की पूर्व सरपंच थीं। महाराष्ट्र ग्राम पंचायत अधिनियम, 1959 की धारा 14(1)(ए-1) के तहत दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकने का प्रावधान है। इसी नियम के तहत तीसरे बच्चे के जन्म के बाद उनके खिलाफ शिकायत की गई थी। अतिरिक्त कलेक्टर ने उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया था।

अमेरिका में मिडटर्म चुनाव हारे राष्ट्रपति ट्रंप

दोनों सदनों में करारी हार, डेमोक्रेट्स को बहुमत

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के मिडटर्म चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी को हार मिली है। डेमोक्रेटिक पार्टी ने सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स दोनों सदनों में बहुमत हासिल कर लिया है। वहीं, मिशिगन में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार अब्दुल अल सैयद ने जीत हासिल की। इसके साथ ही वह अमेरिकी इतिहास में सीनेटर चुने जाने वाले पहले मुस्लिम बन गए हैं। ट्रम्प ने अब्दुल को खुले मंच से जिहादी कहा था। 25 अक्टूबर को



मिशिगन में एक चुनावी रैली के दौरान ट्रम्प ने कहा था,मैं यहां एक जिहादी और मुस्लिम ब्रदरहुड के सदस्य को अमेरिकी सीनेटर बनने से रोकने आया हूं। ट्रम्प ने अब्दुल पर आतंकियों का साथ देने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि अगर अल-सैयद सीनेटर बनते हैं, तो उन्हें संसद में जाने से पहले मेटल डिटेक्टर से गुजरना चाहिए। उन्होंने 11 सितंबर 2001 के आतंकी हमलों का जिक्र करते हुए अल-सैयद की तुलना विमान हाईजैक करने वाले आतंकियों से भी की।

बंगाल के काली मंदिरों में पूजा का नया पैटर्न

दक्षिणेश्वर से कालीघाट तक हर ओर कमल ही कमल

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के 6 महीने बाद न सिर्फ राज्य का राजनीतिक माहौल बदल रहा है, बल्कि भक्ति के तौर तरीके बदल गए हैं। मंदिरों में देवी-देवताओं को अर्पित करने के लिए कमल के फूल की डिमांड बढ़ गई है। यहां तक कि दक्षिणेश्वर से कालीघाट के मंदिरों में मां काली का प्रिय माना जाने वाला लाल अड़हुल के फूल की जगह भक्त कमल का फूल ले रहा है। इस बार पश्चिम बंगाल में कमल की बंपर फसल हुई है और राज्य में राजनीतिक बदलाव हो चुका है। अप्रैल में बीजेपी की पश्चिम बंगाल में जीत और मई में शुभेंदु अधिकारी के शपथ ग्रहण के बाद कमल का फूल पश्चिम बंगाल में लोकप्रिय हो गया है। आध्यात्मिक शक्ति के केंद्र माने जाने वाले माता के मंदिरों में भी अड़हुल के फूल से ज्यादा गुलाबी और सफेद कमल की डिमांड बढ़ गई है। दक्षिणेश्वर, कालीघाट, बिष्णुपुर और कंकालीतला के विश्व प्रसिद्ध काली मंदिर में भी भक्त कमल अर्पित कर रहे हैं। दक्षिणेश्वर में तो कमल प्रसाद का नया चलन शुरू हो गया है। इस बार बंगाल में कमल की शानदार पैदावार हुई है।



पंडितजी भी कर रहे कमल का समर्थन

बिष्णुपुर मंदिर के पुजारी बापी बनर्जी भी मानते हैं कि कमल के फूल अड़हुल की जगह ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि वह भी भक्तों को कमल चढ़ाने की सलाह दे रहे हैं क्योंकि देवताओं को यह पसंद है। तारकेश्वर में काली मंदिर के पुजारी असीम मुखोपाध्याय ने बताया कि अड़हुल के फूल चढ़ाने की परंपरा 18वीं सदी में शुरू हुई। उस समय देवी के उपासक शाक्त कवि रामप्रसाद सेन अड़हुल के लाल फूल भेंट करने का प्रचलन शुरू किया। धीरे-धीरे यह शाक्त उपासकों के लिए परंपरा बन गई। अब कमल के साथ रामप्रसाद सेन का युग ही समाप्त हो गया है।

राहुल गांधी ने पीएम को फिर दी बहस की चुनौती

बोले-मोदी देशद्रोही, ट्रम्प के कहने पर काम कर रहे

संगरूर (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि मैंने पीएम नरेंद्र मोदी को डिबेट की चुनौती दी है। मैंने उन्हें कहा है कि कहीं भी आकर मेरे साथ डिबेट कर लो, लेकिन वह मेरे सामने आकर बैठ नहीं सकते हैं। मैं गारंटी देता हूं कि 5 मिनट में उन्हें देशद्रोही साबित कर दूंगा। मोदी को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प नियत्रंति कर रहे हैं। ये बात उन्होंने पंजाब के संगरूर में इंसाफ रैली के दौरान कही। संबोधन की शुरुआत में वह पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह को स्टेज पर लाए। राहुल गांधी ने कहा कि सिद्धू मूसेवाला के साथ जो हुआ, वह आज पंजाब में एक फैशन बन गया है। पंजाब में नशा सबसे बड़ा मुद्दा है। भगवंत मान दिल्ली में थे तो हमें चुटकुले सुनाते थे। सुबह 11 बजे उनके मुंह से शराब की बदबू आती थी। इस दौरान उन्होंने एक बार फिर पीएम को बहस की चुनौती दी। इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि देश में वोट चोरी हुई है और कई जगह वोट चोरों की सरकार चल रही है।



सीईसी ज्ञानेश पर 20 साल पुराने आरोप की होगी जांच

केरलम में 2 करोड़ रुपए रिश्वत मांगने का लगा था आरोप

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ 20 साल पुराने रिश्वत मांगने के आरोपों की जांच होगी। केरलम के गृहमंत्री मेश चेन्नितला ने विजिलेंस को जांच के आदेश दिए हैं। यह मामला सड़क निर्माण प्रोजेक्ट से जुड़ा है। उस समय ज्ञानेश कुमार राज्य में पीडब्ल्यूडी सचिव थे। कोल्लम के ठेकेदार साजन का आरोप है कि ज्ञानेश कुमार ने केरल स्टेट ट्रांसपोर्ट



प्रोजेक्ट का काम पूरा होने के बाद पेमेंट करने के बदले 2 करोड़ की रिश्वत मांगी थी। इस समय कांग्रेस की अगुवाई में पूरे देश में ज्ञानेश कुमार के खिलाफ एसआईआर में गड़बड़ी के आरोप लगाए जा रहे हैं। इसी साल मई में हुए विधानसभा चुनाव में केरलम में कांग्रेस की अगुवाई वाले यूडीएफ ने 140 में से 97 सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया। कांग्रेस ने 10 साल बाद सत्ता में वापसी की है।

साजन का आरोप-रिश्वत के चलते बीन ने आत्महत्या की

साजन के मुताबिक, इंजीनियरों ने करीब 17 करोड़ के बिल मंजूर कर दिए थे, लेकिन ज्ञानेश कुमार ने चेक रोक दिए। इससे मलेशियाई कंपनी उसके ठेकेदारों और कर्मचारियों को आर्थिक परेशानी हुई। कंपनी के प्रोजेक्ट इंजीनियर ली सी बीन ने उन्हें (साजन को) बताया था कि ज्ञानेश कुमार रिश्वत मांगे बिना भुगतान के चेक जारी नहीं कर रहे हैं। साजन ने पैसे देकर मामला सुलझाने की बात कही, लेकिन कंपनी के अधिकारियों ने रिश्वत देने से मना कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

महिसौर थानाध्यक्ष चांदनी कुमारी निलंबित

हाजीपुर। वैशाली के महिसौर थाने की थानाध्यक्ष चांदनी कुमारी सांवरिया को एसएसपी शुभांक मिश्रा ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उनके खिलाफ कर्तव्य निर्वहन में अनियमितता और संदिग्ध आचरण की शिकायतें मिली थीं। शिकायतों और उपलब्ध साक्ष्यों की प्रारंभिक समीक्षा के बाद यह कार्रवाई की गई है। वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय, वैशाली की ओर से 4 नवंबर 2026 को जारी प्रेस विज्ञप्ति में निलंबन की जानकारी दी गई। विज्ञप्ति



के अनुसार, शिकायतों और उपलब्ध साक्ष्यों के प्रथम दृष्टया अवलोकन में अनियमितता और संदिग्ध आचरण से जुड़े तथ्य सामने आए। मामले की जांच अपर पुलिस अधीक्षक यातायात, वैशाली को सौंपी गई है। जांच अधिकारी शिकायतों और संबंधित साक्ष्यों के आधार पर पूरे मामले की पड़ताल करेंगे। पुलिस विभाग के अनुसार, जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विभागीय कार्रवाई की जाएगी। निलंबन के बाद मामले की जांच जारी है।

लूट-डकैती करने वाले गिरोह के 7 लोग गिरफ्तार, 2 कट्टे, कारतूस, सोना-चांदी और औजार मिले

हाजीपुर। वैशाली के महुआ में पुलिस ने लूटपाट और डकैती करने वाले गिरोह के छह लोगों को गिरफ्तार किया है। चोरी के जेवर खरीदने के आरोप में एक ज्वेलरी दुकानदार को भी पकड़ा गया। कुल सात गिरफ्तारियां हुई हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो देशी कट्टे, तीन जिंदा कारतूस,



11.37 ग्राम सोना और 220 ग्राम चांदी बरामद की। लोहे का रॉड, सलाई रिंच, बोल्ट कटर और बड़ा चाकू भी जब्त किया गया। पुलिस के मुताबिक, 1 और 2 नवंबर की रात गश्त के दौरान सूचना मिली कि महुआ थाना क्षेत्र के करिहो चौर में कुछ लोग किसी बड़ी घटना की तैयारी कर रहे हैं। महुआ एसडीपीओ के नेतृत्व में विशेष टीम बनाई गई। टीम ने छापा मारकर छह लोगों को दो अवैध हथियारों और तीन कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने चकाजीनिजाम गांव में शिव मंदिर के पास महेश महतो के घर में चोरी की बात कबूल की। पुलिस को पता चला कि चोरी के सोने-चांदी के गहने महुआ मुकुंदपुर के श्री राधेकृष्णा ज्वेलर्स में बेचे गए थे। इसके बाद पुलिस ने दुकान पर छापा मारा और 11.37 ग्राम सोना व 220 ग्राम चांदी बरामद की। दुकानदार मनीष कुमार सोनी को भी गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में टुनटुन कुमार राय, मोहम्मद फैसल, प्रियांशु कुमार, चंदन कुमार, अमन कुमार और गोलू कुमार यादव उर्फ कृष्णकांत कुमार शामिल हैं। सातवें आरोपी दुकानदार मनीष कुमार सोनी हैं। पुलिस के अनुसार, टुनटुन कुमार राय पर चोरी, लूट और शराब तस्करी के पांच मामले दर्ज हैं। गोलू कुमार यादव पर चोरी के दो और अमन कुमार पर चोरी का एक मामला दर्ज है। पुलिस ने महुआ थाना में कांड संख्या 1226/26 और 1228/26 दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की है।

वैशाली में एक ही पौधे पर उगेंगे बैंगन और टमाटर

हाजीपुर। वैशाली जिले में अब किसान एक ही पौधे से बैंगन और टमाटर दोनों उगा सकेंगे। इसके लिए जिले में ब्रिमेटो की खेती का प्रयोग शुरू किया गया है। समाहरणालय परिसर में जिलाधिकारी वर्षा सिंह ने आत्मा योजना के तहत अलग-अलग प्रखंडों से आए चयनित किसानों को ब्रिमेटो के पौधे दिए। ये पौधे बनारस से मंगाए गए हैं। फिलहाल जिले में इसकी खेती प्रयोग के तौर पर शुरू की गई है। कृषि विभाग किसानों के खेतों में पौधों के विकास और उत्पादन पर नजर रखेगा। जिलाधिकारी वर्षा सिंह ने कहा कि खेती में नई तकनीक अपनाने से किसानों की आमदनी बढ़ाने और खेती को लाभकारी बनाने में मदद मिल सकती है। उन्होंने किसानों से पौधे लगाने के बाद वैज्ञानिक तरीके से देखभाल करने और उनके विकास, फल आने व उत्पादन पर ध्यान देने को कहा। उन्होंने बताया कि फिलहाल जिले के अलग-अलग प्रखंडों से एक-एक किसान को पौधा दिया गया है। खेतों में पौधों का विकास और उत्पादन अच्छा रहा तो आगे जिले के अधिक किसानों को भी ब्रिमेटो के पौधे दिए जाएंगे। ब्रिमेटो का पौधा ग्राफ्टिंग तकनीक से तैयार किया जाता है। इसमें बैंगन और टमाटर के पौधों के उपयुक्त हिस्सों को जोड़कर एक पौधा बनाया जाता है। इससे एक ही पौधे पर दोनों सब्जियां उगाई जा सकती हैं। यह तकनीक खासकर उन किसानों के लिए उपयोगी हो सकती है, जिनके पास खेती के लिए सीमित जमीन है। एक ही जगह पर दो तरह की सब्जियों का उत्पादन होने से उपलब्ध भूमि का बेहतर इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि, जिले में इस प्रयोग की सफलता का आकलन पौधों के विकास और वास्तविक उत्पादन के आधार पर होगा। पौधा वितरण कार्यक्रम में चेहराकलां प्रखंड के किसान बैद्यनाथ भगत और महुआ प्रखंड के महेश सिंह सहित जिले के विभिन्न प्रखंडों के चयनित किसान शामिल हुए। मौके पर जिला कृषि पदाधिकारी, चेहराकलां के प्रखंड तकनीकी प्रबंधक धीरेंद्र कुमार सहित विभिन्न प्रखंडों के कृषि पदाधिकारी और कृषि विभाग के अन्य कर्मी मौजूद रहे। कृषि विभाग की इस पहल से जिले में नई तकनीक के जरिए सब्जी उत्पादन की संभावनाओं को परखा जाएगा। खेतों में पौधों का विकास और उत्पादन ही इस प्रयोग की सफलता तय करेगा। अच्छे रहे तो आने वाले समय में जिले के अन्य किसान भी इस तकनीक से जुड़ सकेंगे।



सुबह-शाम रहेगी हल्की ठंड, दक्षिण भारत में तूफान मुरासु का अलर्ट, बिहार में नहीं होगा असर

पटना। बिहार में ठंड की दस्तक के बीच मौसम फिलहाल स्थिर रहेगा। नवंबर के पहले सप्ताह में लोगों को दिन में धूप और रात में हल्की ठंड का सामना करना पड़ेगा। दक्षिण भारत में चक्रवाती तूफान मुरासु की गतिविधियों के बीच बिहार के मौसम को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं कि क्या इसका असर बहार में भी देखने को क मिलेगा। हालांकि, मौसम विभाग के पूर्वानुमान से फिलहाल राज्य में बारिश की संभावना नहीं दिख रही है। आज 4 नवंबर को सभी जिलों में मौसम साफ और शुष्क रहने का अनुमान है। हालांकि सुबह-शाम हल्की ठंड महसूस हो सकती है। IMD के मुताबिक, अगले कुछ दिनों तक बिहार के तापमान में भी कोई बड़ा उतार-चढ़ाव देखने को नहीं मिलेगा। सुबह के वक्त कुछ इलाकों में कोहरा रह सकता है, लेकिन दिन में धूप निकलने से मौसम गर्म बना रहेगा। रात के समय तापमान में कमी के कारण हल्की ठंड महसूस होगी। राजधानी में बारिश के आसार नहीं हैं। यहां दिन के समय धूप निकलने और मौसम शुष्क रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान 30 से 32 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है, जबकि रात में पारा 20 से 22 डिग्री तक रहने का अनुमान है। सुबह हल्की ठंड के साथ कुछ जगहों पर कोहरा भी देखने को मिल सकता है। पटना के अलावा गया, नालंदा, जहानाबाद, नवादा और बेगूसराय में भी तापमान का यही रुख रहने की संभावना है। इन जिलों में अधिकतम पारा 30 से 32 डिग्री और न्यूनतम तापमान 20 से 22 डिग्री के आसपास रह सकता है। उत्तर बिहार के जिलों में भी मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान और सारण में अधिकतम तापमान 28 से 30 डिग्री के बीच रह सकता है। इन जगहों पर न्यूनतम तापमान 20 से 22 डिग्री रहने की संभावना है। वहीं, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर, वैशाली और सीतामढ़ी में दिन का तापमान 30 से 32 डिग्री तक पहुंच सकता है। रात में तापमान 20 से 22 डिग्री के आसपास रहने का पूर्वानुमान है।



बिना लाइसेंस खुलेआम बिक रहे पटाखे, प्रशासन बेखबर

एजेंसी, पटना



- **न्यू मार्केट में 60 फीसदी छूट का बैनर लगाकर बिक्री, अग्निशमन विभाग की नोटिस का असर नहीं**

पटना में इस बार पटाखों की खरीद-बिक्री के लिए किसी भी दुकानदार को लाइसेंस जारी नहीं किया गया है। इसके बावजूद शहर के चौक-चौराहों और प्रमुख बाजारों में खुलेआम पटाखों की बिक्री हो रही है। पटना जंक्शन से सटे न्यू मार्केट में तो बैनर लगाकर 50 से 60 फीसदी तक छूट का लालच दिया जा रहा है। यहां जगह-जगह पटाखों के स्टॉल सजे हैं। हैरानी की बात यह है कि अग्निशमन विभाग की ओर से लगातार जांच और नोटिस जारी करने के बावजूद दुकानदारों पर इसका कोई असर नहीं दिख रहा है। मंगलवार को लोदीपुर अग्निशामालय की टीम ने न्यू मार्केट में जांच कर दुकानदारों को चेतावनी भी दी थी, लेकिन बुधवार को भी दुकानें पहले की तरह सजी रहीं। इस मामले में जिला प्रशासन और स्थानीय पुलिस की कार्रवाई भी नजर नहीं आ रही है।

इन इलाकों में खुलेआम बिक्रीः पटना में कई जगहों पर पटाखों के स्टॉल लगाए गए हैं। इनमें प्रमुख रूप से न्यू मार्केट, बोरिंग रोड चौराहा, मीठापुर सब्जी मंडी, बुद्धमूर्ति के आसपास, सब्जीबाग, दीघा सब्जी मंडी, राजा बाजार, पटना सिटी चौक, आलमगंज और मालसलामी शामिल हैं।

राज्य में 4000 से अधिक प्रतिष्ठानों को नोटिसः अग्निशमन विभाग ने राज्यभर में 4000 से अधिक प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किया है। राज्य अग्निशमन पदाधिकारी मनोज कुमार नट ने बताया कि दीपावली और छठ पूजा को लेकर विभाग ने विशेष तैयारी की है। जिन प्रतिष्ठानों के पास लाइसेंस नहीं है, उन्हें नोटिस दिया जा रहा है। पटना को चार जोन में बांटकर तैयारी की गई है। संवेदनशील जगहों को चिह्नित किया जा रहा है और भीड़भाड़ वाले इलाकों में अग्निशमन की गाड़ियां तैनात की जा रही हैं।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि राज्य में किसी भी प्रतिष्ठान को पटाखों के भंडारण और बिक्री के लिए लाइसेंस जारी नहीं किया गया है। ऐसे में बिना लाइसेंस पटाखों का भंडारण और बिक्री पूरी तरह अवैध है। इसके बावजूद राजधानी के बाजारों में खुलेआम पटाखों की बिक्री होना अग्नि सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

पटना में फूड डिपार्टमेंट ने की छापेमारी, लिए सैंपल

एजेंसी, पटना



- **फैक्ट्री में गंदगी के बीच नूडल्स की पैकिंग, आसपास लगी थी मक्खियां**

पटना में बुधवार को फूड डिपार्टमेंट की टीम ने जक्कनपुर थाना क्षेत्र के भूपतिपुर और आसपास के इलाकों में छापेमारी की। टीम एक नूडल फैक्ट्री पहुंची। जहां गलत तरीके से नूडल्स तैयार किए जा रहे थे। नूडल्स को जमीन पर रखकर उसे पैकेट में भरा जा रहा था। उसपर मक्खियां भी लग रही थी। उनकी पैकेजिंग की खेप भी पकड़ी गई है। जांच के दौरान प्रतिष्ठानों के लाइसेंस, साफ-सफाई, खाद्य सामग्री की गुणवत्ता और मिलावट से जुड़े पहलुओं को देखा जा रहा है। टीम ने अलग-अलग खाद्य पदार्थों के कुछ सैंपल भी लिए हैं, जिन्हें जांच के लिए भेजा जाएगा।

जांच रिपोर्ट का इंतजारः सैंपल की रिपोर्ट आने के बाद खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और उनमें मिलावट की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई जारी है। अधिकारियों की ओर से फैक्ट्री और दूसरे प्रतिष्ठान से जुड़े दस्तावेजों की भी जांच की जा रही है। जांच में नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है। फिलहाल विभाग की टीम की जांच जारी है और कार्रवाई पूरी होने के बाद ही पूरे मामले की जानकारी सामने आएगी।

इंजीनियर के घर से 32 लाख कैश मिले, पत्नी ने रुपयों से भरा बैग फेंका

एजेंसी, पटना



आय से अधिक संपत्ति के मामले में पथ निर्माण विभाग के सुपरिटेंडिंग इंजीनियर विजय कुमार के 4 ठिकानों पर विशेष निगरानी इकाई(एसवीयू) ने दबिश दी । बुधवार को सहरसा, औरंगाबाद, पटना के ठिकानों पर टीम ने छापेमारी की। विजय कुमार सहरसा में पोस्टेड हैं। पटना के दानापुर स्थित फ्लैट में जब टीम पहुंची तो इंजीनियर की पत्नी ने गेट नहीं खोला और इसी दौरान घर के पीछे नोटों से भरा थैला फेंक दिया। टीम ने थैले को बरामद किया। थैले में 9 लाख रुपए थे। इसके बाद गेट खुलवाकर छापेमारी की। इस दौरान टीम को 32 लाख 57 हजार 500 रुपए कैश मिले।

पटना के महेश नगर स्थित प्रेमा रेजिडेंसी के फ्लैट नंबर 303, रामजयपाल नगर, धनौत और दानापुर के विभिन्न स्थानों पर भूखंड मिले हैं। इसके अलावा गोला रोड, दानापुर स्थित वास्तुगंगा कॉलोनी में साईं शरणम् नामक तीन मंजिला मकान और एक नवनिर्मित छह मंजिला मकान का भी पता चला है।

पटना में फ्लैट्स के अलावा 6 मंजिला मकानः 6 मंजिला मकान की अनुमानित लागत करीब एक करोड़ रुपए बताई गई है। विशेष निगरानी इकाई के अनुसार, सत्यापन के दौरान अभियंता और उनकी पत्नी के नाम पर कुल 3 करोड़ 8 लाख 75 हजार रुपये की अचल संपत्ति का पता चला है। इसके अलावा विभिन्न बैंकों में 7 बचत खातों में करीब 1 करोड़ 29 लाख 40 हजार रुपए जमा हैं। इंजीनियर ने पत्नी के नाम एक स्कॉर्पियो समेत अन्य कार की खरीदी है। 23.23 लाख रुपए के सोने-चांदी के गहने बरामद किए गए। इंजीनियर के घर से निवेश के भी दस्तावेज मिले हैं।

गोल्डन ऑवर में अस्पताल पहुंचाने से बचेगी जान

एजेंसी, पटना



- **एक्सीडेंट के घायलों को 1.50 लाख तक का इलाज, प्रचार के लिए हाईवे पर लगेंगे होर्डिंग**

पटना में आज सड़क दुर्घटना में घायल लोगों को समय पर बेहतर इलाज उपलब्ध कराने और पीएम राहत योजना को प्रभावी तरीके से लागू करने के लिए राज्यस्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। अधिवेशन भवन में आयोजित इस कार्यशाला में पुलिस, स्वास्थ्य और परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ आयुष्मान भारत से जुड़े अस्पतालों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इसमें दुर्घटना के बाद घायलों को अस्पताल पहुंचाने, उनका पंजीकरण करने, पुलिस सत्यापन और कैशलेस इलाज से लेकर क्लेम की प्रक्रिया तक की जानकारी दी गई।

7 दिनों तक 1.50 लाख रुपए तक का कैशलेस इलाजः राज्य परिवहन आयुक्त आरिफ अहसन ने कार्यशाला में बताया कि पीएम राहत योजना के तहत सड़क दुर्घटना में घायल पात्र लोगों को अधिकतम सात दिनों तक 1.50 लाख रुपए तक का कैशलेस इलाज उपलब्ध कराने का प्रावधान है। इसका उद्देश्य दुर्घटना के बाद शुरुआती महत्वपूर्ण समय में घायलों को बिना किसी आर्थिक परेशानी के जरूरी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। उन्होंने योजना के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी संबंधित विभागों और अस्पतालों के बीच बेहतर तालमेल जरूरी है।

गोल्डन ऑवर में अस्पताल पहुंचने से बच सकती है जानः स्वास्थ्य विभाग के सचिव कुमार रवि ने कहा कि सड़क दुर्घटनाएं राज्य के सामने बड़ी चुनौती हैं। दुर्घटना के बाद पहला एक घंटा यानी गोल्डन ऑवर बेहद महत्वपूर्ण होता है। इस दौरान घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाकर बड़ी संख्या में लोगों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि पीएम राहत योजना का उद्देश्य भी दुर्घटना पीड़ितों को समय पर इलाज उपलब्ध कराना है। इसके लिए पुलिस और अस्पतालों की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी अस्पतालों से सड़क दुर्घटना में घायल लोगों का शत-प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित करने और योजना के प्रति संवेदनशील रहने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि आम लोगों को अपने आसपास पीएम राहत योजना से जुड़े अस्पतालों की जानकारी आसानी से मिलनी चाहिए। इसके लिए संबद्ध अस्पतालों की जानकारी गूगल मैप पर उपलब्ध कराने की जरूरत है।

परिवहन सचिव राज कुमार ने कहा कि पीएम राहत योजना का लाभ जरूरतमंदों तक बिना किसी देरी के पहुंचना चाहिए। इसके लिए परिवहन, स्वास्थ्य और पुलिस विभाग के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। सभी संबंधित अधिकारी योजना की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाएं और इसके क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं का जल्द समाधान करें। उन्होंने बताया कि योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए सभी संबंधित अस्पतालों में पीएम राहत योजना के बोर्ड लगाए जाएंगे। इन बोर्डों पर योजना से जुड़ी जरूरी जानकारियां प्रदर्शित की जाएंगी। इसके अलावा हाईवे के किनारे भी होर्डिंग लगाकर लोगों को योजना के प्रति जागरूक किया जाएगा।

डायल-112 से लेकर अस्पतालों की जिम्मेदारी तक समझाई प्रक्रियाः कार्यशाला में सड़क दुर्घटना के बाद घायलों को मदद पहुंचाने से लेकर इलाज और क्लेम तक की पूरी प्रक्रिया समझाई गई। पुलिस उप महानिरीक्षक रामा शंकर राय ने ERSS यानी डायल-112 की भूमिका और जिम्मेदारियों पर प्रस्तुतीकरण दिया। वहीं, रोड सेफ्टी से जुड़े राजीव कुमार ने TMS 2.0 पोर्टल के माध्यम से दुर्घटना पीड़ितों के पंजीकरण की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया। पुलिस सत्यापन और iRAD/eDAR प्रणाली के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। स्वास्थ्य विभाग की ओर से अस्पतालों की जिम्मेदारियों, कैशलेस इलाज और क्लेम की प्रक्रिया को समझाया गया।

स्मैक तस्करों को पैसे लेकर छोड़ने का आरोप, 11 लाख की हुई लेनदेन, 8 पुलिसकर्मी निलंबित

एजेंसी, पटना



पटना के फुलवारीशरीफ थाना क्षेत्र में मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री से जुड़े एक मामले में पुलिसकर्मियों की संलिप्तता सामने आने के बाद कार्रवाई की गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधिकारियों ने जांच के आदेश दिए हैं। वहीं, संबंधित पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निलंबित कर उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जा रही है। नगर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी चंद्र प्रकाश के मुताबिक फुलवारी शरीफ थाना के स्मैक तस्कर को 11 लाख रुपए लेकर छोड़ने का आरोप सही पाया गया है। फुलवारी शरीफ थाना के सब इंस्पेक्टर, सिपाही और मुंशी सहित 8 पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया है। उनके खिलाफ मामला दर्ज कर विभागीय कार्रवाई शुरू की गई है।

26 अक्टूबर को हुई थी घटनाः नगर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी), पटना कार्यालय से 4 नवंबर 2026 को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 26 अक्टूबर को गुप्त सूचना के आधार पर फुलवारीशरीफ थाना पुलिस ने मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री कर रहे लोगों के खिलाफ छापेमारी की थी। इस दौरान नया टोला पठान टोली, वार्ड संख्या 24 निवासी आकिब खान उर्फ मोहम्मद साकिब खान (32 वर्ष), पिता मोहम्मद सलाउद्दीन खान को मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस मामले में फुलवारीशरीफ थाना कांड संख्या 1867/26, दिनांक 26 अक्टूबर 2026 को एनडीपीएस एक्ट की धारा 8(सी)/21(सी) तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-बी)/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। बताया गया है कि गिरफ्तारी के दौरान आकिब खान के साथ दो अन्य व्यक्ति मोहम्मद आफताब आलम और मोहम्मद एहसान को भी पकड़कर थाने लाया गया था। हालांकि, इन दोनों का नाम प्राथमिकी में दर्ज नहीं की गई और न ही इस संबंध में वरीय अधिकारियों को सूचना दी गई। आरोप है कि छापेमारी टीम में शामिल कुछ पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों ने दोनों व्यक्तियों से मोटी रकम लेकर उन्हें पीआर बॉन्ड पर छोड़ दिया। इसी दौरान पैसों के लेन-देन को लेकर आपस में कहासुनी होने की बात भी सामने आई। मामला वरीय अधिकारियों के संज्ञान में आने के बाद इसकी जांच सहायक पुलिस अधीक्षक, फुलवारीशरीफ, पटना द्वारा की जा रही है। प्रथम दृष्टया इस घटनाक्रम में 8 पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों की संलिप्तता सामने आई है।

पटना यूनिवर्सिटी शिक्षक संघ चुनाव, 7 पदों पर वोटिंग

एजेंसी, पटना



पटना यूनिवर्सिटी शिक्षक संघ (PUTA) के नए नेतृत्व के चुनाव के लिए आज मतदान हो रहा है। चुनाव को लेकर विश्वविद्यालय के शिक्षकों में उत्साह है। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव, संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष समेत कुल 7 प्रमुख पदों के लिए 25 उम्मीदवार मैदान में हैं। इनमें अध्यक्ष पद पर सबसे ज्यादा चार उम्मीदवारों के बीच मुकाबला है। वहीं, कार्यकारिणी समिति के 12 सदस्यों का चयन पहले ही निर्विरोध हो चुका है।

चुनाव अधिकारियों के अनुसार, मतदान सुबह 10 बजे से शुरू हो गया है। शिक्षक दोपहर 3:30 बजे तक पटना कॉलेज के जिम्नेजियम हॉल में अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकेंगे। इस चुनाव में विश्वविद्यालय के 400 से अधिक पंजीकृत शिक्षक वोट डालेंगे। मतदान समाप्त होने के आधे घंटे बाद शाम 4 बजे से मतगणना शुरू होगी। उम्मीद है कि देर शाम तक सभी सातों पदों के परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे।

अध्यक्ष के एक पद के लिए 4 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं।

पति से प्रताड़ित होकर पत्नी ने की आत्महत्या, जहर खाकर दी जान

एजेंसी, पटना



पटना के बाढ़ में विवाहिता की लाश मिली। मायके वाले कहते हैं उसने जहर खाकर आत्महत्या कर ली है। पति राकेश उसको प्रताड़ित किया करता था। उसके साथ मारपीट करता था। मृतका पूनम देवी (35) की मौत के बाद पति और अन्य ससुराल वाले फरार हो गए। बेटी गुड़िया ने अपने नाना-नानी को फोन कर मां की मौत की जानकारी दी। इसके बाद मायके वाले नालंदा से बाढ़ पहुंचे। मायके पक्ष से मृतका की मां, भाई और पिता आए थे। घटना बाढ़ थाना क्षेत्र के दलिसमन चक गांव में मंगलवार को हुई थी।

दो घंटे में मायके वाले बेटी के ससुराल पहुंचेः आरोपी पति राकेश और उसके परिवार वाले फरार हो गए हैं। मृतका की बेटी के फोन करने के 2 घंटे बाद मायके वाले नालंदा से बेटी के ससुराल पहुंचे। मृतका का मायका नालंदा के बिहारशरीफ में है। उन्होंने देखा घर के दरवाजे पर मृतका की लाश पड़ी थी। बगल में बेटी बैठी थी। परिजन के अनुसार आरोपी राकेश मजदूरी किया करता था। उसका पति से कोई बड़ा विवाद नहीं था। छोटी-छोटी बातों पर हमेशा बहस होती थी। पूनम जवाब देती थी तो उसे राकेश प्रताड़ित किया करता था, उसकी पिटाई कर देता था।

सूचना मिलने पर बाढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव कब्जे में लिया और पोस्टमॉर्टम के लिए बाढ़ अनुमंडलीय अस्पताल भेजा। बाढ़ थाना प्रभारी पुरनेंदू कुमार ने कहा कि मायके पक्ष ने आवेदन दिया है। जिसमें कहा गया है कि बेटी ने जहर खाकर आत्महत्या की है।

गंगा घाट जाने वाले रास्ते पर कचरे का अंबार, दुर्गंध के बीच गुजर रहे श्रद्धालु

एजेंसी, पटना



- **खुले में फेंकी जा रही शहर की गंदगी**

दानापुर में छितनावां बांध स्थित निरंकारी सत्संग भवन के पीछे गंगा घाट मार्ग पर रोज कूड़ा डंप किया जा रहा है। नगर परिषद के सफाईकर्मी ट्रैक्टर और डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण वाहनों से शहर का कचरा लाकर यहां फेंक देते हैं। इससे कार्तिक मास में गंगा स्नान और पूजा-पाठ के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं को दुर्गंध के बीच से गुजरना पड़ रहा है। धार्मिक स्थल की ओर जाने वाले मार्ग के किनारे कूड़े का ढेर लगाए जाने से स्थानीय लोगों में दानापुर नगर परिषद प्रशासन के प्रति नाराजगी है। लोगों का कहना है कि घरों से निकलने वाले कचरे, पॉलिथीन और गीले-सूखे अपशिष्ट को खुले में जमा करना गंभीर लापरवाही है। यहां कूड़े का अंबार लगा रहता है और उससे निकलने वाली दुर्गंध से आसपास का वातावरण प्रदूषित हो रहा है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि कूड़े के ढेर से छोटे-छोटे बच्चे कबाड़ और उपयोगी सामान चुनते नजर आते हैं। इससे उनके संक्रमण और गंभीर बीमारियों की चपेट में आने का खतरा बना रहता है।

गीले कचरे की गंदगी पानी के साथ सड़क पर फैल जातीः कचरे में बड़ी मात्रा में पॉलिथीन होने से मिट्टी और भूजल प्रदूषित होने की आशंका भी है। बारिश के दिनों में स्थिति और बदतर हो जाती है। गीले कचरे की गंदगी पानी के साथ सड़क पर फैल जाती है। ऐसे में श्रद्धालुओं और राहगीरों को गंदगी के बीच से आवागमन करना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह नगर परिषद का क्षेत्र नहीं है। फिर भी यहां नगर परिषद को गाड़ियों से कचरा डंप किया जाता है। लोगों ने प्रशासन से गंगा घाट मार्ग से डंपिंग स्थल हटाने और नियमित सफाई की मांग की है।

अधिकारी से बात करेंगे-मंत्रीः सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव ने कहा कि यदि ऐसी बात है तो वे नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी से बात करेंगे और जल्द से जल्द इसे दूर करने को कहा जाएगा। ताकि ग्रामीणों और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो।

संक्षिप्त समाचार

सड़क निर्माण में अनियमितता की शिकायत पर विभाग ने दिया जवाब, परिवाद का हुआ निष्पादन



बीएनएम @ मोतिहारी/अरेराज। प्रखंड क्षेत्र की तीन सड़कों के निर्माण एवं मरम्मत कार्य में अनियमितता और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए की गई शिकायत पर ग्रामीण कार्य विभाग ने अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। विभागीय प्रतिवेदन के आधार पर परिवाद का निष्पादन कर दिया गया। मामला परिवाद संख्या- 9999579100826310 21 से जुड़ा है। ग्राम गदपुर, प्रखंड हरसिद्धि निवासी परिवादी प्रकाश कुमार ने सेवराहाँ बाजार से कृतिपुर एवं पहाड़पुर सड़क, इंग्लिश पहाड़पुर से मटियरिया सड़क तथा गोइठाहा बड़ी नहर से तकिया चौक सड़क के निर्माण एवं मरम्मत कार्य में अनियमितता और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कानूनी कार्रवाई की मांग की थी। शिकायत के आलोक में लोक प्राधिकार-सह-कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, अरेराज को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया था। इसके बाद कार्यपालक अभियंता ने पत्रांक 1585, दिनांक 04 नवंबर 2026 के माध्यम से अपना प्रतिवेदन समर्पित किया। विभाग ने अपने प्रतिवेदन में बताया कि घीवाधार-इंग्लिश सड़क में कृतिपुर मुख्य नहर से तकिया चौक तक कुल 3.240 किलोमीटर पथ का सतहीकरण कार्य पूरा करा लिया गया है। कार्य पूर्ण होने के साक्ष्य के रूप में विभाग की ओर से सुनवाई के दौरान सड़क की तस्वीरें भी प्रस्तुत की गईं। प्रस्तुत तस्वीरों के अवलोकन एवं विभागीय प्रतिवेदन के आधार पर संबंधित सड़क का कार्य पूर्ण पाया गया। इसके बाद परिवाद का निवारण मानते हुए मामले का निष्पादन कर दिया गया।

बच्चों के स्वास्थ्य व पोषण को लेकर पूर्वी चंपारण में 101 स्वास्थ्य शिविर आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिला प्रशासन द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों में आने वाले बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य एवं पोषण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत की गई है। इसके तहत जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों के पोषक क्षेत्रों में बच्चों के लिए विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इस अभियान की शुरुआत चकिया एवं कल्याणपुर प्रखंड से की गई है। जिला आईसीडीएस कार्यालय एवं विराट रामायण इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के संयुक्त सहयोग से आयोजित इन स्वास्थ्य शिविरों में आंगनबाड़ी केंद्रों से जुड़े बच्चों की व्यापक स्वास्थ्य जांच की जा रही है। जांच के दौरान बच्चों की लंबाई, वजन, बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) एवं समग्र शारीरिक विकास का आकलन किया जा रहा है। इसके साथ ही पोषण की स्थिति, एनीमिया, नाक-कान-गला एवं त्वचा संबंधी समस्याओं की जांच सहित अन्य आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण किए जा रहे हैं। शिविरों में बच्चों के अभिभावकों को स्वास्थ्य, पोषण एवं उचित देखभाल से संबंधित आवश्यक परामर्श भी दिए जा रहे हैं, ताकि बच्चों के बेहतर शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए समय रहते उचित कदम उठाए जा सकें। इसी क्रम में आईसीडीएस विभाग द्वारा गंभीर तीव्र कुपोषण से प्रभावित बच्चों से संबंधित आंकड़ों का विश्लेषण एवं विशेष प्रोजेक्ट पर भी कार्य किया जा रहा है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों से जुड़े बच्चों, विशेषकर पोषण संबंधी जोखिम वाले बच्चों की समय पर पहचान करना, उनकी स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित करना तथा उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं बेहतर पोषण उपलब्ध कराने के साथ उनके समुचित लालन-पालन के लिए एक मजबूत आधार तैयार करना है। इस अभियान के तहत अब तक पूर्वी चंपारण जिले के चकिया एवं कल्याणपुर प्रखंडों में कुल 101 मेडिकल कैंप आयोजित किए जा चुके हैं। इनमें चकिया प्रखंड में 30 तथा कल्याणपुर प्रखंड में 71 स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए गए हैं। इस महत्वपूर्ण पहल को धरातल पर उतारने में राजकृष्ण झा, सहायक समाहर्ता, नेहा कुमारी, सीएम फेलो तथा अभिषेक कुमार, मार्केट प्रबंधक, विराट रामायण इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज का महत्वपूर्ण सहयोग रहा है। जिला प्रशासन की इस पहल से आंगनबाड़ी केंद्रों से जुड़े बच्चों में स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी समस्याओं की समय पर पहचान करने और उन्हें आवश्यक उपचार एवं परामर्श उपलब्ध कराने में मदद मिल रही है।

चोरी की मोटरसाइकिल के साथ नेपाल का एक युवक गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। घोड़ासहन थाना क्षेत्र में वाहन जांच के दौरान पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल के साथ नेपाल निवासी एक युवक को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई बैंकुल बॉर्डर के लक्ष्मणिया टोला के पास गुप्त सूचना के आधार पर की गई। इस दौरान पुलिस ने एचएचडी मशीन से एक मोटरसाइकिल की जांच की। जांच में मोटरसाइकिल का रजिस्ट्रेशन नंबर और चेसिस नंबर अलग-अलग पाया गया। इसके बाद वाहन की पड़ताल की गई तो उस पर मुजफ्फरपुर जिले के मोतीपुर थाना कांड संख्या 336/23 दर्ज होने की जानकारी मिली। पुलिस ने मौके से मोटरसाइकिल सवार रंजन राय यादव को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार युवक की पहचान नेपाल के रौतहट जिले के गुनाहों देवही थाना क्षेत्र के धरहरी गांव निवासी मोहित राय यादव के पुत्र रंजन राय यादव के रूप में हुई है। पुलिस ने मोटरसाइकिल जब्त कर ली है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बिहार के क्रिकेट सितारों को मिलेगा बड़ा मंच, चंपारण प्रीमियर लीग के लिए 5-6 नवंबर को होगा महासंग्राम

बीएनएम @ मोतिहारी। बिहार की क्रिकेट प्रतिभाओं को बेहतर मंच प्रदान करने और उभरते खिलाड़ियों को अपनी क्षमता साबित करने का अवसर देने के उद्देश्य से ईस्ट चंपारण जिला क्रिकेट संघ की ओर से चंपारण प्रीमियर लीग का आयोजन किया जा रहा है। लीग के आगामी सत्र को लेकर आगामी 5 एवं 6 नवंबर 2026 को मोतिहारी के गांधी मैदान में खिलाड़ियों के चयन हेतु ट्रायल आयोजित किया जाएगा। इस चयन ट्रायल में बिहार के विभिन्न जिलों के प्रतिभाशाली क्रिकेट खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। 14 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के पात्र खिलाड़ियों को अपनी क्रिकेट प्रतिभा, कौशल और खेल क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। आयोजन समिति के अनुसार, ट्रायल में शामिल होने के इच्छुक खिलाड़ियों को अपना पंजीकरण प्रपत्र जमा करना अनिवार्य होगा। चयन प्रक्रिया के दौरान खिलाड़ियों के प्रदर्शन, खेल कौशल और प्रतिभा का आकलन किया जाएगा। बेहतर प्रदर्शन करने वाले योग्य खिलाड़ियों को आगामी खिलाड़ी चयन प्रक्रिया में शामिल किए जाने पर विचार किया जाएगा। ईस्ट चंपारण जिला क्रिकेट संघ का मुख्य उद्देश्य चंपारण प्रीमियर लीग के माध्यम से बिहार के स्थानीय एवं उभरते क्रिकेट खिलाड़ियों को एक सशक्त प्रतिस्पर्धात्मक मंच उपलब्ध कराना है, ताकि उनकी प्रतिभा को पहचान मिल सके और उन्हें बड़े स्तर पर अपनी क्षमता साबित करने का अवसर प्राप्त हो। आयोजकों ने बिहार के सभी इच्छुक एवं प्रतिभाशाली क्रिकेट खिलाड़ियों से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है। साथ ही खिलाड़ियों से निर्धारित समय के भीतर अपना पंजीकरण सुनिश्चित करने का आग्रह किया है, ताकि वे चयन ट्रायल में भाग लेकर चंपारण प्रीमियर लीग का हिस्सा बनने की अपनी दावेदारी पेश कर सकें।

अधिकृत पानी हटाकर दूसरा ब्रांड बेचने का दबाव, 10 हजार रुपये मासिक रिश्वत मांगने का आरोप

बीएनएम @ सागर सूरज

» बापूधाम मोतिहारी स्टेशन पर पानी की बिक्री को लेकर विवाद, विक्रेता ने भेजा कानूनी नोटिस; पोस्ट कमांडर ने आरोपों को किया खारिज, डीसीआई के मेमो का दिया हवाला



मोतिहारी। बापूधाम मोतिहारी रेलवे स्टेशन पर पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर की बिक्री को लेकर अधिकृत विक्रेता और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के बीच विवाद गहरा गया है। अधिकृत विक्रेता ने आरपीएफ पोस्ट कमांडर भरत प्रसाद पर स्वीकृत ब्रांड का पानी हटाकर दूसरे ब्रांड का पानी बेचने का दबाव बनाने तथा ऐसा नहीं करने पर हर महीने 10 हजार रुपये की कथित रिश्वत मांगने का गंभीर आरोप लगाया है। वहीं, पोस्ट कमांडर ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कार्रवाई के पीछे डिविजनल कॉमर्शियल इंस्पेक्टर (डीसीआई) के निर्देश और मेमो का हवाला दिया है। मामले में परफेक्ट एक्वा प्राइवेट लिमिटेड के प्रोपराइटर मनीष पटेल की ओर से अधिवक्ता डॉ. नरेंद्र देव के माध्यम से पोस्ट कमांडर भरत प्रसाद को कानूनी नोटिस भेजा गया है। 2 नवंबर 2026 को जारी नोटिस में 30 अक्टूबर को हुई घटना का उल्लेख करते हुए धमकी, अभद्र व्यवहार, कारोबार में हस्तक्षेप और अधिकृत पानी की बिक्री रोकने का आरोप लगाया गया है। नोटिस में सात दिनों के भीतर लिखित जवाब देने की मांग की गई है।

तीन साल की अनुमति का दिया हवाला–कानूनी नोटिस के मुताबिक, परफेक्ट एक्वा प्राइवेट लिमिटेड को पूर्व मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक कार्यालय, हाजीपुर की ओर से विगत 28 जनवरी 2026 को जारी पत्र के माध्यम से किंगफिशर प्रीमियम ब्रांड का एक और दो लीटर पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर बेचने के लिए तीन वर्षों की अनुमति दी गई है। विक्रेता का दावा है कि वह इसी अनुमति के आधार पर बापूधाम मोतिहारी स्टेशन पर कारोबार कर रहा है। विक्रेता मनीष पटेल का आरोप है कि पोस्ट कमांडर की ओर से स्वीकृत पानी की बिक्री बंद कराकर किसी दूसरे व्यक्ति के गैर-अनुमोदित ब्रांड का पानी बेचने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। उनका यह भी आरोप है कि स्टेशन पर पानी बेचने देने के एवज में हर महीने 10 हजार रुपये की मांग की गई। विरोध करने पर धमकी और अभद्र व्यवहार किया गया तथा कारोबार बंद करने का दबाव बनाया गया।

पोस्ट कमांडर ने आरोपों को किया खारिज–दूसरी ओर, आरपीएफ पोस्ट कमांडर भरत प्रसाद ने रिश्वत मांगने, दूसरे ब्रांड का पानी बेचने के लिए दबाव बनाने और धमकी देने के आरोपों को पूरी तरह गलत बताया है। उनका कहना है कि संबंधित वेंडर के खिलाफ पहले डिविजनल कॉमर्शियल इंस्पेक्टर (डीसीआई) की ओर से कार्रवाई करते हुए पानी जब्त किया गया था और इस संबंध में उन्हें मेमो भी दिया गया था। प्रसाद के अनुसार, विभाग द्वारा एप्रूव्ड पानी की बिक्री की अनुमति संबंधित कंपनी को दी जाती है। वेंडर को दी जाती है, इसका अर्थ है कि वह स्टेशन के बाहर से स्वीकृत पानी लाकर वेंडर बिक्री करेंगे। ऐसा नहीं की कंपनी के लोग खुद से स्टेशन पर उक्त पानी की बिक्री करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि मिले अप्रूवल और स्टेशन परिसर में बिक्री की प्रक्रिया के बीच अंतर है। उनके मुताबिक, संबंधित कार्रवाई किसी व्यक्तिगत विवाद या अवैध मांग के कारण नहीं, बल्कि वाणिज्यिक विभाग से मिले निर्देश और मेमो के आधार पर की गई है।

रेलवे प्रशासन की भूमिका पर उठे सवाल–दोनों पक्षों के दावों के बीच अब इस पूरे मामले में रेलवे प्रशासन की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है। एक तरफ विक्रेता तीन वर्षों की अनुमति का हवाला देकर स्वीकृत पानी की बिक्री में हस्तक्षेप और 10 हजार रुपये मासिक रिश्वत मांगने का आरोप लगा रहा है, तो दूसरी तरफ आरपीएफ पोस्ट कमांडर डीसीआई के मेमो और वेंडर की बिक्री प्रक्रिया को लेकर सवाल उठा रहे हैं।

जिला स्तरीय युवा उत्सव में सर्वोदय उच्च विद्यालय जहिंगरा का जलवा

बीएनएम @ मोतिहारी



जिला स्तरीय युवा उत्सव में सर्वोदय उच्च विद्यालय, जहिंगरा के छात्र-छात्राओं ने अपनी शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। मोतिहारी स्थित महात्मा गांधी प्रेक्षागृह में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यालय के प्रतिभागियों ने नाटक प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त कर अपनी उपलब्धि दर्ज कराई। वहीं लोकगीत, समूह गायन और सांस्कृतिक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। जिले के विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयों के बीच आयोजित इस प्रतियोगिता में जहिंगरा के ग्रामीण परिवेश से आए बच्चों ने अपने आत्मविश्वास, कला और शानदार मंचीय प्रदर्शन से विशेष पहचान बनाई। उनकी प्रस्तुतियों ने यह साबित कर दिया कि प्रतिभा किसी बड़े शहर या संसाधनों की मोहताज नहीं होती, बल्कि उचित मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे भी अपनी अलग पहचान बना सकते हैं। इस सफलता के पीछे विद्यालय के संगीत शिक्षक कुंदन कुमार की मेहनत, लगन और कुशल मार्गदर्शन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने कम समय में बच्चों को तैयार कर न केवल उनकी कला को निखारा, बल्कि मंच पर पूरे आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुति देने के लिए भी प्रेरित किया। उनकी इस पहल और प्रशिक्षण की दर्शकों, निर्णायकों एवं अन्य शिक्षकों ने जमकर सराहना की। कार्यक्रम में श्वेता कुमारी, रमिता कुमारी, पलक कुमारी, सरिता कुमारी, वैष्णवी कुमारी, पुष्पांजलि कुमारी, मानवी कुमारी एवं सुरभि कुमारी ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक जितेंद्र कुमार गुप्ता ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में भी असीम प्रतिभा छिपी हुई है। जरूरत है तो बस उन्हें सही मार्गदर्शन, प्रोत्साहन और मंच उपलब्ध कराने की। उन्होंने संगीत शिक्षक कुंदन कुमार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे समर्पित शिक्षक बच्चों की प्रतिभा को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर विद्यालय परिवार की ओर से प्रतिभागी छात्राओं के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान सभी प्रतिभागियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि यह सफलता केवल एक पुरस्कार नहीं, बल्कि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा दिखाने की प्रेरणा है। युवा उत्सव में मिली इस सफलता से विद्यालय में हर्ष और उत्साह का माहौल है। अभिभावकों एवं स्थानीय लोगों ने भी छात्राओं और संगीत शिक्षक कुंदन कुमार को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बीजधरी में स्कॉर्पियो से 162.96 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद गोपालगंज का कारोबारी गिरफ्तार



बीएनएम @ मोतिहारी/बीजधरी

मद्य निषेध एवं राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो, पटना से मिली सूचना के आधार पर बीजधरी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक स्कॉर्पियो से 162.96 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की है। मौके से गोपालगंज जिले के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के फैजलाहापुर निवासी विजय कुमार के पुत्र करण कुमार (21) को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने स्कॉर्पियो की तलाशी ली तो उसकी डिक्की से ऑफिसर्स च्वाइस ओरिजिनल व्हिस्की की 14 पेटी में 672 पीस (120.960 लीटर), रॉयल स्टैग सुपीरियर व्हिस्की की आठ पीस (छह लीटर) और किंगफिशर स्ट्रॉन्ग बीयर की 72 पीस (36 लीटर) बरामद हुई। शराब की कुल मात्रा 162.96 लीटर है। जांच के दौरान स्कॉर्पियो पर BR01KC5628 नंबर का रजिस्ट्रेशन लगा मिला, जबकि जांच में वाहन का मूल रजिस्ट्रेशन नंबर BR06DC8148 पाया गया। वाहन के चेसिस नंबर MA1TA2YSP2E18469 और इंजन नंबर YSP4E75278 की भी पहचान की गई। बीजधरी थानाध्यक्ष सीमा कुमारी ने बताया कि मद्य निषेध एवं राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो, पटना से मिली सूचना पर कार्रवाई की गई। स्कॉर्पियो से शराब बरामद होने के बाद एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। वाहन और शराब जब्त कर मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

भारत-नेपाल सीमा पर आपसी सौहार्द एवं सुरक्षा समन्वय को मजबूत बनाने के लिए समन्वय बैठक आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी



71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल द्वारा भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में आपसी सौहार्द, सहयोग एवं समन्वय को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से समवाय जमुनिया के कार्यक्षेत्र अंतर्गत झरोखर पोस्ट पर समन्वय बैठक का आयोजन किया गया। कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार के कुशल निर्देशन में आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता उप कमांडेंट सतीश कुमार ने की। बैठक में सहायक कमांडेंट प्रमोद कुमार एवं टी. चोसग्याल, नेपाल सशस्त्र पुलिस बल (APF) की 12वीं वाहिनी के इंस्पेक्टर सुरेंद्र मल्ल, झरोखर थाना के थानाध्यक्ष मोहम्मद आरिफ हुसैन सहित SSB एवं APF के अन्य अधिकारी एवं जवान तथा झरोखर गांव के स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे। बैठक के दौरान भारत एवं नेपाल के बीच पारंपरिक मैत्रीपूर्ण संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने, सीमावर्ती क्षेत्र में दोनों देशों के सुरक्षा बलों एवं स्थानीय पुलिस के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने तथा क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं के समाधान को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इस अवसर पर स्थानीय ग्रामीणों की समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा उनके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों द्वारा आपसी विचार-विमर्श किया गया। साथ ही सीमावर्ती क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने, सीमा पार होने वाली अवांछित गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने, आपसी सूचनाओं का समय पर आदान-प्रदान करने तथा स्थानीय प्रशासन एवं ग्रामीणों के सहयोग से सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक के अंत में दोनों देशों के सुरक्षा बलों के बीच आपसी विश्वास, बेहतर समन्वय एवं सहयोग बनाए रखने तथा भारत-नेपाल के पारंपरिक मैत्रीपूर्ण संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई गई।

हरसिद्धि में 20 लीटर चुलाई शराब के साथ तीन कारोबारी गिरफ्तार, तीनों का आपराधिक इतिहास भी आया सामने

बीएनएम @ मोतिहारी/हरसिद्धि



थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 20 लीटर देसी चुलाई शराब के साथ तीन कथित शराब कारोबारियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में सुगौली थाना क्षेत्र के मेहवा निवासी अखिलेश सहनी उर्फ प्रेम सहनी, हरसिद्धि वार्ड नंबर दो निवासी मुन्ना पटेल और दुदही वार्ड नंबर 12 निवासी लक्ष्मण पासवान शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, अखिलेश सहनी उर्फ प्रेम सहनी मोटरसाइकिल पर 20 लीटर देसी चुलाई शराब लेकर मुन्ना पटेल और लक्ष्मण पासवान को देने जा रहा था। इसी दौरान पुलिस ने उसे शराब के साथ पकड़ लिया। पूछताछ और कार्रवाई के क्रम में शराब लेने वाले दोनों आरोपितों को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने मोटरसाइकिल और शराब को जब्त कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, अखिलेश सहनी उर्फ प्रेम सहनी के विरुद्ध सुगौली थाने में वर्ष 2022 और 2024 में शराब से जुड़े दो मामले दर्ज हैं। वहीं, मुन्ना पटेल के विरुद्ध सुगौली और हरसिद्धि थाने में शराब से जुड़े तीन मामले दर्ज हैं। लक्ष्मण पासवान के विरुद्ध भी हरसिद्धि थाने में वर्ष 2025 में शराब से संबंधित मामला दर्ज है। इसके अलावा वर्ष 2020 में आईपीसी की विभिन्न धाराओं और ईडी एक्ट के तहत भी मामला दर्ज होने का उल्लेख है। हरसिद्धि थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई कर 20 लीटर देसी चुलाई शराब के साथ तीनों आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। तीनों के आपराधिक इतिहास की भी जांच की गई है। आरोपितों के विरुद्ध अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

कालाजार उन्मूलन को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट, मरीजों की निगरानी तेज करने का निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी



कालाजार उन्मूलन के लक्ष्य को पूरी तरह हासिल करने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने सतर्कता बढ़ा दी है। जिले को कालाजार मुक्त घोषित किए जाने के बावजूद पुराने प्रभावित क्षेत्रों में बीमारी की दोबारा आशंका को देखते हुए स्वास्थ्यकर्मियों को लगातार निगरानी और संदिग्ध मरीजों की पहचान करने का निर्देश दिया गया है। इसको लेकर जिला स्वास्थ्य समिति स्थित आरोग्य भवन सभागार में सिविल सर्जन डॉ. दिलीप कुमार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बैठक सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, स्टाफ नर्स, वीडीसीओ एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी शामिल हुए। बैठक में सिविल सर्जन ने बताया कि जिले में वर्ष 2026 में अब तक कालाजार (वीएल) के 15 और पीकेडीएल के 08 मामले सामने आए हैं। सभी मरीजों का उपचार सरकारी अस्पतालों में कराया गया है। उन्होंने कहा कि जिला कालाजार मुक्त घोषित हो चुका है, लेकिन इसे लेकर किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरतनी है। पुराने प्रभावित क्षेत्रों में बीमारी के दोबारा फैलने की आशंका बनी रहती है। कालाजार बालू मक्खी के काटने से फैलता है। इससे बचाव के लिए लोगों को जागरूक करना और समय पर मरीजों की पहचान करना बेहद जरूरी है। उन्होंने स्वास्थ्यकर्मियों को इस दिशा में कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। वहीं, डब्ल्यूएचओ की डिविजनल कोऑर्डिनेटर माधुरी देवराजू ने प्रोजेक्टर के माध्यम से स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशिक्षण दिया। उन्होंने कहा कि कालाजार पर नियंत्रण के लिए केवल सामने आए मरीजों का उपचार पर्याप्त नहीं है, बल्कि संदिग्ध मरीजों की लगातार खोज भी जरूरी है। जिन प्रखंडों में अब तक कोई मामला सामने नहीं आया है, वहां भी स्वास्थ्यकर्मियों को सक्रिय रहना होगा। विशेष रूप से पीकेडीएल के मरीजों की नियमित निगरानी पर जोर दिया गया। उन्होंने बीमारी के लक्षण, जांच प्रक्रिया, दवाओं की निर्धारित खुराक, उपचार के नियम और रिपोर्टिंग से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। कार्यशाला में डब्ल्यूएचओ के मनोज तुमराडा ने बताया कि किसी व्यक्ति को लगातार दो सप्ताह या उससे अधिक समय तक बुखार रहने पर उसकी चिकित्सकीय जांच कराना जरूरी है। संदिग्ध मरीजों की जांच निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार आरके-39 किट से करने की जानकारी दी गई। पूर्व में कालाजार से पीड़ित रह चुके लोगों में दोबारा लक्षण दिखने पर आवश्यक पुष्टि जांच कराने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही कालाजार के मरीजों की एचआईवी जांच सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। डीआईओ डॉ. शरत चंद्र शर्मा ने कहा कि त्वचा पर दिखाई देने वाले सफेद या लाल धब्बों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। विशेषकर कालाजार से पीड़ित रह चुके लोगों में इस तरह के लक्षण दिखने पर नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में जांच करानी चाहिए। स्वास्थ्य विभाग ने आम लोगों से भी अपील की कि लंबे समय तक बुखार रहने अथवा त्वचा पर असामान्य धब्बे और गांठें दिखाई देने पर सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर निःशुल्क जांच सुविधा का लाभ उठाएं। सिविल सर्जन डॉ. दिलीप कुमार ने कहा कि कालाजार उन्मूलन के लक्ष्य को हासिल करने में जमीनी स्तर पर काम करने वाले स्वास्थ्यकर्मियों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने आशा कार्यकर्ताओं और एएनएम के माध्यम से पीकेडीएल मरीजों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने वर्ष 1990 के दशक में कालाजार की जांच और उपचार से जुड़े अपने अनुभव भी साझा किए। बताया कि उस समय सीमित संसाधनों के बीच मरीजों की जांच और इलाज किया जाता था, जबकि वर्तमान में आधुनिक जांच सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मरीजों की लंबित क्षतिपूर्ति राशि का भुगतान जल्द सुनिश्चित कराने का भी निर्देश दिया। जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. निकेश कुमार ने बताया कि कालाजार उन्मूलन कार्यक्रम के तहत मरीजों को श्रम क्षतिपूर्ति के रूप में 7,100 रुपये तथा पीकेडीएल के मरीजों को 4,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। मौके पर वीडीसीओ धर्मेंद्र कुमार, सत्यनारायण उरांव, रविंद्र कुमार, राकेश कुमार, पिरामल से पीयूष कुमार एवं पप्पू कुमार, सिफार से सिद्धांत कुमार सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

ठकराहां कांड में दोषी करार, तीन साल की सजा

बीएनएम @ बगहा जिले के ठकराहां थाना कांड संख्या 135/25 में न्यायालय अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी, बगहा ने नामजद अभियुक्त हैदर अली को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है। बुधवार, 4 नवंबर 2026 को सुनाए गए फैसले में न्यायालय ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 316(5) के तहत तीन वर्ष के कारावास एवं 10 हजार रुपये अर्थदंड तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 7 के तहत एक वर्ष के कारावास एवं 10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अभियुक्त मलाही टोला निवासी स्वर्गीय नवाब मियां का पुत्र है। जानकारी के अनुसार, 17 दिसंबर 2025 को उसके विरुद्ध ठकराहां थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 316(2), 316(5), 318(4) एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 7 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले में पुलिस ने गहन अनुसंधान करते हुए वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्य जुटाए और न्यायालय में आरोप पत्र समर्पित किया। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार स्वयं इस कांड की निगरानी कर रहे थे। न्यायालय में विचारण के दौरान प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्त को दोषी ठहराया गया। अभियोजन पक्ष की ओर से सहायक अभियोजन पदाधिकारी अनीश कुमार ने पैरवी की।

एसएसबी के चिकित्सा शिविर में 62 ग्रामीणों की हुई स्वास्थ्य जांच

बीएनएम @ कुर्साकांटा। 52वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), अररिया की ओर से कमांडेंट मितुल कुमार के निर्देशन में बुधवार को सुन्दरी गांव के उत्क्रमित मध्य विद्यालय, कबीरटोला में निःशुल्क मानव चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। नागरिक कल्याण कार्यक्रम के तहत आयोजित शिविर में सहायक कमांडेंट (चिकित्सा) डॉ. सूरज जाधवर ने 62 ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की। इनमें 18 पुरुष, 34 महिलाएं और 10 बच्चे शामिल थे। सभी को निःशुल्क दवाइयां भी दी गईं। इस दौरान ग्रामीणों को बदलते मौसम में स्वास्थ्य सुरक्षा, संतुलित खानपान, श्रीअन्न के फायदे, स्वच्छता और नशामुक्ति के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का संदेश देते हुए स्थानीय स्तर पर फल एवं सब्जियों की खेती को प्रोत्साहित किया गया। एसएसबी अधिकारियों ने बताया कि सीमावर्ती गांवों में ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ सामाजिक जागरूकता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। मौके पर निरीक्षक राजवीर मीणा, आरक्षी सूरज कुमार, आरक्षी दुर्गेश कुमार यादव सहित अन्य जवान मौजूद थे।



जनगणना-2027 के द्वितीय चरण का प्रशिक्षण आयोजित

बीएनएम @ सहरसा। समाहरणालय स्थित नए सभागार में बुधवार को जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पटना से आए मास्टर ट्रेनरों ने विभिन्न पदाधिकारियों एवं कर्मियों को प्रशिक्षण दिया। सभागार के निचले तल पर चार्ज एवं सहायक चार्ज पदाधिकारियों तथा प्रथम तल पर संबंधित तकनीकी कर्मियों एवं पदाधिकारियों को जनगणना कार्य की प्रक्रिया और तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी गई। इस अवसर पर अपर समाहर्ता निर्वाचन गणेश कुमार, अपर समाहर्ता राजस्व निशांत कुमार, अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन मुकेश कुमार तथा जिला योजना पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी विशाल राघव उपस्थित रहे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार स्व-गणना 10 से 24 जनवरी 2027 तक, जनसंख्या गणना 25 जनवरी से 28 फरवरी तक तथा पुनरीक्षण दौर एक से पांच मार्च 2027 तक चलेगा। प्रशिक्षण का उद्देश्य जनगणना कार्य से जुड़े कर्मियों को उनके दायित्वों एवं निर्धारित प्रक्रियाओं की जानकारी देकर कार्य को समयबद्ध और सुचारु रूप से संपन्न कराना है।



बाइक की टक्कर से बुजुर्ग की मौत, एनएच जाम



बीएनएम @ मधेपुरा। सिंहेश्वर थाना क्षेत्र के बेहरी पंचायत भवन के समीप मंगलवार को अज्ञात बाइक की टक्कर से 60 वर्षीय लखन यादव की मौत हो गई। मृतक पिपरा थाना क्षेत्र के कोशलीपट्टी निवासी थे। जानकारी के अनुसार, वह बैंगहा टोला से दवा लेने सिंहेश्वर जा रहे थे। इसी दौरान सुबह करीब 10:30 बजे सड़क पार करते समय पिपरा की ओर से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर एनएच-106 जाम कर दिया और पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग की। सूचना पर सिंहेश्वर थानाध्यक्ष विनोद कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाकर कार्रवाई एवं नियमानुसार मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। करीब पांच घंटे बाद जाम समाप्त हुआ। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, मधेपुरा भेज दिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि अज्ञात बाइक और चालक की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी। मौके पर एएसआई रोशनी सिन्हा सहित पुलिस बल मौजूद थे।

नकली पनीर के खिलाफ छापेमारी, दो क्विंटल से अधिक जब्त

बीएनएम @ सहरसा। दीपावली एवं छठ पर्व को देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग ने बुधवार को शहर की सब्जी मंडी में नकली पनीर विक्रेताओं के खिलाफ छापेमारी की। फूड सेफ्टी इंस्पेक्टर संजय चौधरी के नेतृत्व में हुई कार्रवाई के दौरान दो क्विंटल से अधिक संदिग्ध पनीर जब्त कर जांच के लिए पटना भेजा गया। संजय चौधरी ने बताया कि जिलाधिकारी दीपेश कुमार, सदर एसडीओ श्रेयांश तिवारी एवं डीओ अनिल कुमार के निर्देश पर नकली खाद्य सामग्री के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मंगलवार की रात शहर की प्रमुख मिठाई दुकानों, जनरल स्टोर एवं किराना दुकानों में भी छापेमारी कर काजू और अन्य मिठाइयों के नमूने जांच के लिए भेजे गए। बाजार में असली पनीर करीब 400 रुपये किलो बिक रहा है, जबकि संदिग्ध पनीर 200 रुपये से कम कीमत पर बेचा जा रहा था। पनीर पर आयोडीन डालने से उसका रंग काला पड़ गया, जिसके आधार पर उसके नकली होने की आशंका जताई गई। मौके पर डाटा ऑपरेटर कुणाल कुमार, एग्जीक्यूटिव राहुल राज सहित अन्य कर्मी मौजूद थे।



कृषि योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं लक्ष्य समय पर पूरा करें पदाधिकारी : जिलाधिकारी

बीएनएम @ मोतिहारी



जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में बुधवार को जिला स्तरीय कृषि टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में कृषि एवं संबद्ध विभागों द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। साथ ही रबी सीजन में विभिन्न फसलों के आच्छादन लक्ष्य, बीज की उपलब्धता एवं वितरण सहित किसानों को समय पर कृषि सामग्री उपलब्ध कराने से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने रबी वर्ष 2025-26 के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं में निर्धारित लक्ष्यों, बीज की आवश्यकता, प्राप्ति एवं वितरण की स्थिति की जानकारी ली। इस क्रम में जिला कृषि पदाधिकारी मृणाल शास्त्री ने बताया कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत अनुदानित दर पर मटर बीज तथा राष्ट्रीय खाद्य तेल-तिलहन मिशन योजना के अंतर्गत राई/सरसों प्रत्यक्षण एवं अनुदानित दर पर राई/सरसों के बीज प्राप्त हो चुके हैं। इसके अतिरिक्त दलहन में आत्मनिर्भरता मिशन योजना के अंतर्गत अनुदानित दर पर मसूर मिनीकिट तथा राज्य योजना के अंतर्गत त्रिफसलीय सरसों प्रत्यक्षण एवं प्रमाणित सरसों बीज वितरण हेतु बीज भी जिले को प्राप्त हो चुके हैं। इस पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि प्राप्त सभी बीजों का वितरण निर्धारित समय-सीमा के भीतर किसानों के बीच सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसान समय पर बुआई कर सकें और योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। उर्वरक की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जिले के सभी उर्वरक विक्रेताओं के स्टॉक एवं प्रतिष्ठानों में उपलब्ध उर्वरक का नियमित रूप से भौतिक सत्यापन कराया जाए। उर्वरक की आपूर्ति के उपरांत कृषि समन्वयकों के माध्यम से भी भौतिक जांच सुनिश्चित की जाए, ताकि किसानों को निर्धारित दर पर सुगमतापूर्वक एवं ससमय उर्वरक उपलब्ध हो सके। वहीं, जिला कृषि पदाधिकारी मृणाल शास्त्री ने बताया कि जिले में उर्वरक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। इस पर जिलाधिकारी ने उर्वरक प्रतिष्ठानों का नियमित निरीक्षण करने तथा उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था पर सतत निगरानी रखने का निर्देश दिया। एग्री स्टैक परियोजना के अंतर्गत किसानों की फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जिले के शत-प्रतिशत किसानों का फार्मर आईडी जेनरेट करना सुनिश्चित किया जाए, ताकि सभी पात्र किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी एवं सुगम तरीके से मिल सके। जिलाधिकारी ने प्राकृतिक खेती योजना एवं परंपरागत कृषि विकास योजना की भी विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने राज्य स्तर से प्राप्त लक्ष्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर शत-प्रतिशत पूरा करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया। इसके अतिरिक्त बैठक में मिट्टी जांच प्रयोगशाला, कृषि अभियंत्रण, उद्यान, पौधा संरक्षण एवं मत्स्य विभाग से संबंधित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप उपलब्धि सुनिश्चित करने तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने का निर्देश दिया।

ढाका की तीन मिठाई दुकानों में मिलीं खामियां, संचालकों से मांगा जाएगा जवाब

बीएनएम @ ढाका

दीपावली को लेकर सिकरहना प्रशासन की छापेमारी, साफ-सफाई और खाद्य सुरक्षा मानकों की हुई जांच



दीपावली पर्व को लेकर मिठाई दुकानों में मिलावट और गंदगी पर रोक लगाने के लिए सिकरहना अनुमंडल प्रशासन ने जांच अभियान शुरू किया है। इसी क्रम में बुधवार को अधिकारियों की टीम ने ढाका बाजार की तीन प्रमुख मिठाई दुकानों में औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान दुकानों में साफ-सफाई, मिठाई निर्माण और भंडारण से संबंधित कई कमियां पाई गईं। इसको लेकर संबंधित दुकानदारों से स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। अनुमंडल पदाधिकारी विजय कुमार, एसडीपीओ अभिषेक कुमार और ढाका थानाध्यक्ष राजरूप राय के नेतृत्व में टीम ने दीपक केबिन, गेलार्ड स्वीट्स और वैष्णो स्वीट्स में जांच की। इस दौरान दुकानों के ट्रेड लाइसेंस, एफएसएसएआई लाइसेंस, मिठाई बनाने की जगह की साफ-सफाई और खाद्य सामग्री के रखरखाव की जांच की गई। अधिकारियों के अनुसार, निरीक्षण में तीनों प्रतिष्ठानों में स्वच्छता और खाद्य सामग्री के रखरखाव से जुड़े मानकों में कई कमियां मिलीं। प्रशासन की ओर से संबंधित दुकान संचालकों के खिलाफ स्पष्टीकरण की कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों ने दुकानदारों को मिठाई निर्माण स्थल पर साफ-सफाई रखने, गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री का इस्तेमाल करने और खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने का निर्देश दिया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि त्योहार के दौरान लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जांच अभियान आगे भी जारी रहेगा।

एसआईआर के खिलाफ कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा प्रखंड कार्यालय में धरना



बीएनएम @ रामगढ़वा

एसआईआर और स्थानीय मुद्दों को लेकर प्रखंड कार्यालय में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी किसान महासभा के प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर बुधवार को प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में धरना का आयोजन किया गया ।जिस धरना में सैकड़ों महिलाओं और पुरुषों ने भाग लिया। इस धरना को संबोधित करते हुए भारतीय कॉमनिस्ट पार्टी के नेता राधामोहन सिंह ने उपस्थित लोगों से कहा कि एसआईआर में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के द्वारा वोटर लिस्ट से करोड़ों लोगों का नाम काटा गया है। इसके लिए उनको इस्तीफा देना होगा। अगर इस्तीफा नहीं देंगे तो आने वाले समय में हमारी पार्टी द्वारा प्रखंड कार्यालय में अनिश्चितकालीन धरना का कार्यक्रम करेगी। उन्होंने प्रखंड कार्यालय में हो रहे भ्रष्टाचार्य पर भी जम कर बोला। इनके द्वारा सपष्ट शब्दों में प्रखंड कार्यालय के सभी अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा गया की अपने कामों में सुधार करें। अन्यथा एक दिन भी प्रखंड के किसी भी कार्यालय को चलने नहीं दिया जाएगा। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करने वालों में प्रदेश कार्य समिति सदस्य विजय शंकर सिंह, कृष्णा सिंह, राजेश शुक्ला आदि शामिल हैं। मौके पर विक्की सिंह, मुकेश सिंह, नूरजहाँ खातून, पबीतर राम सहित सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जे. डी. विमेंस कॉलेज में तंबाकू मुक्त युवा अभियान 4.0 के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बीएनएम @ पटना



तंबाकू मुक्त युवा अभियान 4.0 एवं नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आज जे. डी. विमेंस कॉलेज, पटना में तंबाकू एवं नशा मुक्ति विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज प्रशासन द्वारा सोसियो इकोनॉमिक एंड एजुकेशनल डेवलपमेंट सोसाइटी (सीड्स), बिहार के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर कॉलेज की प्राचार्या प्रो. मीरा कुमारी सहित विभिन्न विभागों के शिक्षकों एवं 80 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में सीड्स के कार्यकारी निदेशक दीपक मिश्रा ने तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों, युवाओं में नशे की समस्या, बिहार में तंबाकू सेवन की स्थिति तथा तंबाकू नियंत्रण के लिए सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। श्री मिश्रा ने बताया कि ग्लोबल एडल्ट टोबैको सर्वे (गैट्स) 2016-17 के अनुसार बिहार में 25.9 प्रतिशत वयस्क तंबाकू का सेवन करते थे, जबकि वर्ष 2009-10 में यह आंकड़ा 53.5 प्रतिशत था। उन्होंने कहा कि तंबाकू नियंत्रण के क्षेत्र में बिहार ने उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन खैनी, गुटखा एवं अन्य धुआंरहित तंबाकू उत्पादों का सेवन आज भी एक गंभीर जनस्वास्थ्य चुनौती है। उन्होंने ग्लोबल यूथ टोबैको सर्वे 2019 का उल्लेख करते हुए बताया कि बिहार में 13 से 15 वर्ष आयु वर्ग के 7.3 प्रतिशत स्कूली विद्यार्थी तंबाकू का सेवन करते पाए गए थे। इनमें छात्राओं में तंबाकू सेवन का प्रतिशत 8 था। उन्होंने कहा कि युवाओं, विशेषकर छात्राओं को तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से बचाने के लिए शिक्षण संस्थानों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। श्री मिश्रा ने राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (एनटीसीपी), तंबाकू नियंत्रण अधिनियम (कोटपा), 2003 तथा तंबाकू मुक्त शिक्षण संस्थान (ToFEI) दिशानिर्देशों की जानकारी भी दी। उन्होंने बताया कि कोटपा की धारा 6 के अंतर्गत शिक्षण संस्थानों के 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री प्रतिबंधित है। उन्होंने कहा कि युवाओं को तंबाकू एवं नशे की लत से बचाकर ही एक स्वस्थ, सशक्त और तंबाकू मुक्त पीढ़ी का निर्माण किया जा सकता है। कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण कॉलेज की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत नशा मुक्ति पर आधारित नुक्कड़ नाटक रहा। छात्राओं ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति के माध्यम से तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों के सेवन के दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। नुक्कड़ नाटक में कॉलेज की सात छात्राओं ने भाग लिया, जिनमें अनुष्का कुमारी (तृतीय सेमेस्टर), आयुषी सिंह (तृतीय सेमेस्टर), संस्कृति त्रिपाठी (तृतीय सेमेस्टर), अशमत जहाँ (तृतीय सेमेस्टर), सिंपल कुमारी (पंचम सेमेस्टर), साक्षी प्रिया सिंह (तृतीय सेमेस्टर) तथा मुस्कान कुमारी (प्रथम सेमेस्टर) शामिल थीं। छात्राओं की इस रचनात्मक पहल की सराहना की गई। नुक्कड़ नाटक ने यह संदेश दिया कि युवा स्वयं जागरूक होकर समाज में नशा मुक्ति अभियान के प्रभावी संदेशवाहक बन सकते हैं। कार्यक्रम में भारत सरकार द्वारा 28 अक्टूबर 2026 से प्रारंभ किए गए तंबाकू मुक्त युवा अभियान 4.0 के उद्देश्यों एवं गतिविधियों की जानकारी भी दी गई। छात्राओं से अपील की गई कि वे स्वयं तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों से दूर रहें तथा अपने परिवार, मित्रों और समुदाय को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करें।

अहिरौलिया में 17 से 23 दिसंबर तक श्रीमद् भागवत कथा महायज्ञ



बीएनएम @ रामगढ़वा

प्रखंड के अहिरौलिया गांव में आगामी 17 दिसंबर से 23 दिसंबर तक सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। इसकी तैयारी को लेकर रामगढ़वा बाजार स्थित माता अनारी देवी आईटीआई के प्रांगण में बैठक आयोजित की गई। बैठक में अयोध्या से आए श्री श्री 1008 श्री महंत महामंडलेश्वर बालयोगी वर्षीय श्री अमृत दास खाकी अमृतानंद जी महाराज उपस्थित रहे। महाराज ने बताया कि स्थानीय लोगों के विशेष आग्रह पर यह यज्ञ हो रहा है। बता दें कि अमृतानंद जी महाराज का जन्म स्थल रामगढ़वा का अहिरौलिया गांव ही है। इस महायज्ञ के यज्ञाचार्य पवन भारद्वाज होंगे। यज्ञ के दौरान वृंदावन से रस दर्शन झांकी का भी आयोजन होगा। आईटीआई के निदेशक साहेब यादव ने बताया कि 17 दिसंबर को भव्य जल यात्रा निकाली जाएगी। यज्ञ के लिए पंडाल निर्माण सहित अन्य तैयारियों को लेकर यज्ञ संचालन समिति का गठन किया जाएगा। बैठक में साहेब यादव, योगेंद्र यादव सहित कई लोग उपस्थित थे।

सोशल मीडिया पर देसी कट्टा लहराने का वीडियो वायरल, पुलिस ने घर से लोडेड कट्टा व कारतूस किया बरामद



बीएनएम @ पकड़ीदयाल

सोशल मीडिया पर हथियार लहराने का वीडियो वायरल होने के बाद मोतिहारी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित के घर छापेमारी कर एक लोडेड देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस ने वायरल वीडियो में देसी कट्टा लहराते दिख रहे व्यक्ति की पहचान पकड़ीदयाल थाना क्षेत्र के थरबिटिया गांव निवासी रंजेश सहनी उर्फ राजेश सहनी, पिता मदन सहनी के रूप में की है। पुलिस के अनुसार, सोशल मीडिया पर हथियार प्रदर्शन से संबंधित वीडियो की सूचना मिलने के बाद उसका सत्यापन कराया गया। पहचान की पुष्टि होने पर पकड़ीदयाल थाना की पुलिस ने आरोपित के घर विधिवत छापेमारी की। इस दौरान एक लोडेड देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

अपहरण मामले के प्राथमिक अभियुक्त के घर हरसिद्धि पुलिस ने चस्पाया इश्तिहार



बीएनएम @ हरसिद्धि

थाना क्षेत्र में दर्ज अपहरण मामले में फरार चल रहे प्राथमिक अभियुक्त के विरुद्ध हरसिद्धि पुलिस ने कानूनी कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस ने कांड संख्या 309/26, दिनांक 13 जून 2026 के मामले में अभियुक्त सूरज कुमार पासवान के घर विधिवत इश्तिहार चस्पाया। अभियुक्त की पहचान चड़रहिया गांव निवासी सूरज कुमार पासवान, पिता अजीत हाजरा के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि उक्त मामले में बीएनएस की धारा 137(2), 96 एवं 3(5) के तहत प्राथमिकी दर्ज है। मामले में अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही है। निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के तहत अभियुक्त के घर इश्तिहार चस्पाया गया है। इसके बावजूद अभियुक्त न्यायालय में उपस्थित नहीं होता है तो पुलिस आगे की कानूनी प्रक्रिया अपनाएगी। पुलिस मामले में नियमानुसार कार्रवाई कर रही है।

गठबंधन बनाने की ऊबाऊ प्रक्रिया

अब इजराइल में गठबंधन बनाने की ऊबाऊ प्रक्रिया शुरू होगी। विपक्षी नेता गादी आसेनकोट ने अभी उम्मीद नहीं छोड़ी है। इसलिए कुछ दिन रहस्य बना रहेगा, लेकिन बाजी आखिरकार शायद नेतन्याहू के हाथ ही रहेगी! इजराइल में फिर बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व में सरकार बनने की संभावना बनती दिख रही है। हालांकि ताजा चुनाव में किसी पार्टी या गठबंधन को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला, लेकिन मौजूदा सियासी समीकरणों के बीच ऐसा लगता है कि नेतन्याहू की स्थिति मजबूत है। चुनाव रुझानों के मुताबिक 120 सदस्यीय केनेसेट (संसद) में नेतन्याहू की अपनी पार्टी लिकुड को तो महज 28 सीटें ही मिलीं, लेकिन धुर-दक्षिणपंथी ऐसे 57 सांसद जीत कर आए हैं, जिनका समर्थन वर्तमान प्रधानमंत्री को मिल सकता है। नतीजे सामने आने के बाद राष्ट्र के नाम संबोधन में नेतन्याहू ने दावा किया कि 'दक्षिणपंथी पार्टियों को निर्णायक जीतÓ मिली है। इस आधार पर उन्होंने आह्वान किया 'राष्ट्रीय दक्षिणपंथी सरकारÓ का गठन होना चाहिए। उचित ही इस अपील को उन छोटे दलों को अपनी ओर खींचने का दांव माना गया है, जो यहूदीवादी (मजहबी) एजेंडे को लेकर मतदाताओं के बीच गए थे। वैसे, जिन मुद्दों और सवालों के बीच यह चुनाव हुआ, उनके मद्देनजर यह कहा जाएगा कि नेतन्याहू इजराइली राजनीति में अपने प्रभाव का फिर मुजाहिरा करने में कामयाब रहे हैं। भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों, प्रशासनिक अकुशलता की शिकायतों, और सात अक्टूबर 2023 के हमास के हमलों के दौरान सरकारी नाकामी के तमाम कथानकों के बीच लिकुड का सबसे बड़ी पार्टी बने रहना संकेत है कि इजराइली आवाम के एक बड़े हिस्से को आज भी नेतन्याहू का कोई विकल्प नजर नहीं आता। इस सिलसिले में अमेरिकी समर्थन भी एक बड़ा पहलू है, जिसकी इजराइली सियासत में हमेशा निर्णायक किस्म की भूमिका रही है। इस चुनाव के दौरान दो बार अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने खुलेआम नेतन्याहू के लिए अपने समर्थन का एलान किया। इससे संदेश गया कि अमेरिका का बेहिचक समर्थन बनाए रखने के लिए नेतन्याहू का नेतृत्व जरूरी है। अनुमान लगाया जा सकता है कि युद्ध के मौजूदा माहौल में इस पहलू ने अनेक मतदाताओं के निर्णय को प्रभावित किया होगा। अब इजराइल में गठबंधन बनाने की ऊबाऊ प्रक्रिया शुरू होगी। विपक्षी नेता पूर्व सेनाध्यक्ष गादी आसेनकोट ने अभी उम्मीद नहीं छोड़ी है। इसलिए कुछ दिन रहस्य बना रहेगा, लेकिन बाजी आखिरकार शायद नेतन्याहू के हाथ ही रहेगी!

अटल जी के सपनों से विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प तक संस्कृति, स्वाभिमान और विकास की गौरवशाली यात्रा

राजेश अग्रवाल

छत्तीसगढ़ की माटी में इतिहास की गहराई है, संस्कृति की मिठास है, परंपराओं की सुगंध है और भविष्य की असीम संभावनाएं हैं। यहां के लोकगीतों में जीवन का संगीत है, लोकनृत्यों में उत्साह की उमंग है और जनजातीय परंपराओं में प्रकृति के साथ सहअस्तित्व का अद्भुत दर्शन समाहित है। यह वह धरती है, जहां श्रम को सम्मान, प्रकृति को आराधना और संस्कृति को जीवन का आधार माना जाता है। छत्तीसगढ़ केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि अपनी विशिष्ट भाषा, लोकजीवन, परंपराओं और गौरवशाली विरासत से निर्मित एक जीवंत सांस्कृतिक पहचान है। आज जब हम छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की 26वींवर्षगांठ के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय राज्योत्सव के भव्य समापन के साक्षी बने हैं, तब मन गर्व, आत्मीयता और कृतज्ञता से भर उठता है। यह उत्सव केवल रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और समारोहों का आयोजन नहीं था, बल्कि छत्तीसगढ़ की आत्मा, अस्मिता, स्वाभिमान और विकास यात्रा का जीवंत उत्सव बनकर सामने आया। नवा रायपुर में आयोजित राज्योत्सव ने एक बार फिर यह सिद्ध किया कि हमारी सांस्कृतिक विरासत हमारी सबसे बड़ी शक्ति है और यही शक्ति विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की प्रेरणा भी है।

छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा का स्मरण पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के उल्लेख के बिना अधूरा है। उनके नेतृत्व में 1 नवंबर 2000 को छत्तीसगढ़ एक स्वतंत्र राज्य के रूप में अस्तित्व में आया। यह ऐतिहासिक निर्णय इस अंचल की वर्षों पुरानी आकांक्षाओं, सांस्कृतिक पहचान और विकास की अपेक्षाओं को साकार करने वाला था। अटल जी ने छत्तीसगढ़ की विशिष्ट पहचान, यहां की जनभावनाओं और विकास की संभावनाओं को समझते हुए अलग राज्य के गठन का मार्ग प्रशस्त किया। उनका यह निर्णय छत्तीसगढ़ की जनता के लिए एक ऐतिहासिक सौगात बना। आज राज्य स्थापना के 26 वर्ष पूर्ण होने पर हम अटल जी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं, जिन्होंने छत्तीसगढ़ को अपनी नियति स्वयं गढऩे और विकास की नई इबारत लिखने का अवसर प्रदान किया।

अटल जी ने जिस छत्तीसगढ़ की आधारशिला रखी थी, उसे समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित राज्य के रूप में स्थापित करना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। राज्योत्सव का प्रत्येक आयोजन हमें उनके इस ऐतिहासिक योगदान की याद दिलाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का जो संकल्प देश के सामने रखा है, उसमें छत्तीसगढ़ की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्राकृतिक संसाधनों, कृषि संपदा, वन संपदा, खनिज संपदा, सांस्कृतिक विविधता और परिश्रमी मानव संसाधन से समृद्ध हमारा प्रदेश विकास की व्यापक संभावनाओं से परिपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विरासत के संरक्षण और विकास को एक-दूसरे का पूरक मानते हुए आगे बढऩे की सोच को नई दिशा मिली है। इसी भावना के अनुरूप छत्तीसगढ़ में भी अपनी लोकसंस्कृति, जनजातीय परंपराओं, ऐतिहासिक धरोहरों और धार्मिक स्थलों के संरक्षण के साथ आधुनिक विकास को गति देने के प्रयास किए जा रहे हैं।

हमारा विश्वास है कि विकास का वास्तविक अर्थ केवल भौतिक अधोसंरचना का विस्तार नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना भी है। हमारी सांस्कृतिक पहचान सुरक्षित रहे, गांव समृद्ध हों, किसान खुशहाल हों, महिलाएं सशक्त बनें और युवाओं को आगे बढऩे के अवसर मिलें, यही विकसित छत्तीसगढ़ की हमारी परिकल्पना है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और जनकल्याणकारी विकास की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में लोककला, लोकसंस्कृति, जनजातीय परंपराओं, पुरातात्विक धरोहरों और पर्यटन स्थलों का संरक्षण एवं संवर्धन महत्वपूर्ण स्थान रखता है। छत्तीसगढ़ की पहचान केवल उसकी प्राकृतिक संपदा से नहीं, बल्कि यहां की लोककलाओं, उत्सवों, धार्मिक आस्थाओं और विविध सांस्कृतिक परंपराओं से भी है। बस्तर दशहरा की अनूठी परंपरा हो, पंथी नृत्य की आध्यात्मिक चेतना हो, राउत नाचा का उल्लास हो, पंडवानी की अद्भुत कथावाचन शैली हो या सुआ और करमा गीतों की मधुरता, हमारी संस्कृति का प्रत्येक स्वर छत्तीसगढ़ की विशिष्ट पहचान को अभिव्यक्त करता है।

मुख्यमंत्री साय के मार्गदर्शन में संस्कृति विभाग द्वारा प्रदेश की इस अमूल्य विरासत को संरक्षित करने, कलाकारों को प्रोत्साहित करने और नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोडऩे के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। हमारा उद्देश्य है कि छत्तीसगढ़ की लोककलाओं और परंपराओं को राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक पहचान मिले। नवा रायपुर में 1 से 3 नवंबर तक आयोजित राज्योत्सव 2026 छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विविधता, लोकजीवन और विकास की उपलब्धियों का भव्य संगम बना। तीन दिवसीय आयोजन में प्रदेश की समृद्ध कला, संस्कृति, परंपराओं और प्रतिभाओं को अपनी विशिष्ट पहचान के साथ प्रस्तुत करने का अवसर मिला। राज्योत्सव के मंच पर लोककलाओं और शास्त्रीय कलाओं की प्रस्तुतियों ने सांस्कृतिक विविधता का सुंदर परिचय दिया। पंडवानी, पंथी, सुआ, जनजातीय लोकनृत्यों, कथक और ओडिसी जैसी प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति की व्यापकता और छत्तीसगढ़ की विशिष्ट लोकपरंपराओं का अद्भुत समन्वय देखने को मिला।

शिल्पग्राम में स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुतियों और पारंपरिक शिल्पकला ने उत्सव को विशेष पहचान दी। वहीं लोकप्रिय गायकों और कलाकारों की प्रस्तुतियों ने समारोह में संगीत के विविध रंग बिखेरे। यह आयोजन परंपरा और आधुनिकता के सुंदर संगम का प्रतीक बना। राज्योत्सव में विभिन्न विभागों की प्रदर्शनियों ने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों और उपलब्धियों की झलक प्रस्तुत की। इन प्रदर्शनियों के माध्यम से नागरिकों को प्रदेश में संचालित योजनाओं और विकास की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी मिली। इस आयोजन को प्रदेश की सांस्कृतिक गरिमा और जनभावनाओं के अनुरूप स्वरूप प्रदान करने के लिए विभिन्न विभागों, कलाकारों, आयोजन से जुड़े अधिकारियों, कर्मचारियों और सहयोगी संस्थाओं ने समन्वित प्रयास किए। हमारा प्रयास रहा कि राज्योत्सव केवल एक औपचारिक शासकीय आयोजन न होकर जनभागीदारी, सांस्कृतिक अभिव्यक्ति और छत्तीसगढ़ की गौरवशाली पहचान का उत्सव बने। प्रदेश के स्थानीय कलाकारों, लोकनर्तकों, शिल्पकारों और सांस्कृतिक दलों को मंच प्रदान करना इस आयोजन की महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं में शामिल रहा। हम मानते हैं कि संस्कृति केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान की चेतना और भविष्य की दिशा भी है। जब लोककलाकारों को मंच मिलता है, पारंपरिक शिल्प को सम्मान मिलता है और नई पीढ़ी अपनी विरासत से परिचित होती है, तब संस्कृति का वास्तविक संरक्षण होता है। राज्योत्सव ने इस भावना को साकार करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया।

राज्योत्सव 2026 का समापन केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। उनकी गरिमामयी उपस्थिति ने छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के इस ऐतिहासिक उत्सव को विशेष महत्व प्रदान किया। समापन समारोह के अवसर पर आयोजित राज्य अलंकरण समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रदेश की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। यह सम्मान केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों का अभिनंदन नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की प्रतिभा, परिश्रम, सृजनशीलता और सामाजिक योगदान के प्रति पूरे प्रदेश की कृतज्ञता की अभिव्यक्ति है। राज्य अलंकरण समारोह हमारी उस परंपरा का प्रतीक है, जिसमें कला, साहित्य, संस्कृति, समाजसेवा और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तित्वों को सम्मान प्रदान किया जाता है। ऐसे सम्मान नई पीढ़ी को अपनी प्रतिभा और क्षमता के माध्यम से समाज तथा प्रदेश के विकास में योगदान देने की प्रेरणा देते हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में राज्योत्सव का समापन छत्तीसगढ़ की 26 वर्षों की यात्रा और भविष्य की विकास आकांक्षाओं को एक सूत्र में जोडऩे वाला महत्वपूर्ण अवसर बना। छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता उसकी जीवंतता है। (लेखक पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री हैं।)

नए छत्तीसगढ़ की सशक्त होती तस्वीर, दशा और दिशा

श्री ताराशंकर सिन्हा

आधारभूत सुविधाओं के विस्तार, जनजातीय उत्थान और नक्सलवाद से मुक्ति से ऐतिहासिक बदलाव

सहायक संचालक, जनसम्पर्कः 1 नवंबर 2000 को अस्तित्व में आए छत्तीसगढ़ राज्य ने अपनी स्थापना के 26 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। इन 26 वर्षों की विकास यात्रा में छत्तीसगढ़ ने अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं। प्राकृतिक संसाधनों, समृद्ध वन संपदा, सांस्कृतिक विरासत और जनजातीय परंपराओं से समृद्ध इस प्रदेश ने विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी अलग पहचान बनाई है। राज्य गठन के बाद से शासन और प्रशासन के निरंतर प्रयासों ने प्रदेश को आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, सड़क, रेल संपर्क और जनकल्याण के क्षेत्र में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आधारभूत संरचना से विकास को मिली नई गतिः छत्तीसगढ़ में पिछले 26 वर्षों के दौरान सड़क, बिजली, पेयजल, संचार और परिवहन सहित विभिन्न सुविधाओं का व्यापक विस्तार हुआ है। राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्य मार्गों और ग्रामीण सड़कों के विकास से दूरस्थ अंचलों को जिला मुख्यालयों और प्रमुख शहरों से जोड़ने में मदद मिली है। रायपुर-विशाखापट्टनम आर्थिक गलियारा और रायपुर-धनबाद आर्थिक गलियारे जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाएं प्रदेश की आर्थिक गतिविधियों को नई गति देने वाली हैं। रेल संपर्क के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग जैसे प्रमुख रेल केंद्रों के साथ अब बस्तर और अन्य दूरस्थ क्षेत्रों को रेल नेटवर्क से जोड़ने के प्रयास तेज हुए हैं। दल्लीराजहरा-रावघाट रेल लाइन के विस्तार तथा ताड़ोकी-रावघाट और अभनपुर-कुरूद रेलखंडों का शुभारंभ इस दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। रावघाट तक पहली बार रेल पहुंचना बस्तर के लिए ऐतिहासिक कदम है। इससे स्थानीय लोगों को आवागमन के साथ व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच के नए अवसर मिलेंगे। छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध जनजातीय संस्कृति और परंपराओं से है। इसलिए प्रदेश के समग्र विकास में जनजातीय समुदायों का सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक उत्थान अत्यंत महत्वपूर्ण



है। शासन द्वारा इस दिशा में विभिन्न योजनाओं और विशेष अभियानों के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, पेयजल, सड़क और आजीविका के अवसरों का विस्तार किया जा रहा है। बस्तर के माओवादी प्रभावित और दूरस्थ गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रदेश की विष्णु देव साय सरकार द्वारा शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य गांवों में सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, आंगनबाड़ी और संचार जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा शासन की व्यक्तिगत हितग्राही योजनाओं का लाभ पात्र परिवारों तक पहुंचाना है। विशेष रूप से पिछड़ी जनजातीय समूहों (PVTGs) के परिवारों के जीवन स्तर में सुधार के लिए संचालित इस अभियान के तहत पक्के आवास, पेयजल, सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और आजीविका संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के विशेष पिछड़ी जनजातीय समुदायों के लिए यह योजना विकास के नए अवसर लेकर आई है। जनजातीय बहुल गांवों में आधारभूत और सामाजिक सुविधाओं की कमी दूर करने के उद्देश्य से शुरू इस अभियान के तहत शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, आवास, कौशल विकास और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसमें विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों के समन्वय से योजनाओं का लाभ गांवों तक पहुंचाने का प्रयास है। इनके साथ वन अधिकारों का संरक्षण, लघु वनोपज के संग्रहण एवं मूल्य संवर्धन, कौशल प्रशिक्षण, महिला स्व-सहायता समूहों को प्रोत्साहन और स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने जैसे प्रयास जनजातीय परिवारों की आर्थिक आत्मनिर्भरता को मजबूत कर रहे हैं। कृषि, सिंचाई, खाद्य सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, शिक्षा और औद्योगिक निवेश के क्षेत्रों में भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। नई औद्योगिक नीति 2024-30 के माध्यम से निवेश को प्रोत्साहन, रोजगार के अवसरों का सृजन और स्थानीय युवाओं को कौशल विकास से जोड़ने की दिशा में पहल की जा रही है। इससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को अधिक व्यापक और रोजगारोन्मुख बनाने की संभावनाएं बढ़ी हैं। संकल्प विकसित छत्तीसगढ़ काः केंद्र के विकसित भारत अभियान की तर्ज पर प्रदेश सरकार विकसित छत्तीसगढ़ राज्य बनाने के संकल्प के साथ सतत विकास के नए सोपान गढ़ रहा है। जनकल्याण का यह सफर छत्तीसगढ़ के लिए उपलब्धियों का पड़ाव होने के साथ विकसित और आत्मनिर्भर राज्य बनने के नए संकल्प का अवसर भी है। प्राकृतिक संसाधनों का सदुपयोग, जनजातीय संस्कृति का संरक्षण, आधुनिक आधारभूत संरचना और लोककल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में मील का पत्थर साबित होगा।

बिहान से बदल रही सरगुजा की महिलाओं की तस्वीर

राजेश

कभी रोजगार के साधनों की कमी और आर्थिक निर्भरता ग्रामीण महिलाओं के आगे बढऩे की राह में बड़ी चुनौती थी। आज वही महिलाएं अपने हुनर, मेहनत और हौसले से स्वरोजगार की नई राह बना रही हैं। कोई अपने हाथों के हुनर से खस की आकर्षक कलाकृतियां तैयार कर रही है, तो कोई ऑटो रिक्शा चलाने के साथ किराना दुकान संभालकर परिवार की आर्थिक ताकत बन रही है। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहानÓ से जुड़ी सरगुजा की महिलाओं की ये कहानियां आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते ग्रामीण छत्तीसगढ़ की तस्वीर पेश करती हैं। सेवा संकल्प अभियान के बीच सामने आई लखनपुर विकासखंड के ग्राम लटोरी की स्व-सहायता समूह की महिलाओं और बतौली विकासखंड के ग्राम तारागी की श्रीमती सूरजपति की सफलता की कहानी बताती है कि जब महिलाओं के हुनर को प्रशिक्षण, आर्थिक सहयोग और आगे बढऩे का अवसर मिलता है, तो वे अपनी मेहनत से परिवार की परिस्थितियां बदलने के साथ समाज में अपनी अलग पहचान भी बना सकती हैं। एक ओर लटोरी की 20 महिलाएं हस्तशिल्प के अपने हुनर को बाजार से जोड़कर आजीविका की नई राह पर आगे बढ़ रही हैं, वहीं दूसरी ओर सूरजपति ने समूह से मिले 60 हजार रुपये के ऋण को अपनी मेहनत से दो व्यवसायों में बदल दिया। आज ऑटो रिक्शा और किराना दुकान से होने वाली आय ने उन्हें 'लखपति दीदीÓ की पहचान दिलाई है। लखनपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत लटोरी की महामाया और रेखा स्व-सहायता समूह से जुड़ी 20 महिलाओं ने दिखाया है कि हाथों के हुनर को सही प्रशिक्षण और अवसर मिले तो वही हुनर आजीविका का मजबूत आधार बन सकता है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत इन महिलाओं को हस्तशिल्प बोर्ड के माध्यम से विशेष प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के बाद महिलाओं ने खस से आकर्षक और पर्यावरण अनुकूल उत्पाद तैयार करना शुरू किया। उनके हाथों से कलात्मक डलिया, टोकरी, सजावटी गुलदस्ते, पूजा की ट्रे और फ्रूट बास्केट जैसे विभिन्न उत्पाद आकार ले रहे हैं। स्थानीय स्तर पर तैयार ये उत्पाद पर्यावरण अनुकूल होने के साथ महिलाओं की रचनात्मकता और कौशल की पहचान भी बन रहे हैं। बाजार में इन उत्पादों की मांग ने महिलाओं को अपने हुनर को आजीविका में बदलने का अवसर दिया है। अब उनके हाथों से तैयार उत्पाद घर की चौखट से निकलकर बाजार तक पहुंच रहे हैं और परिवार की आय में योगदान दे रहे हैं। रेखा महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती कौशल्या राजवाड़े के लिए यह बदलाव विशेष मायने रखता है। उनके अनुसार पहले उनके पास रोजगार का कोई साधन नहीं था। बिहान से जुडऩे और हस्तशिल्प का प्रशिक्षण मिलने के बाद आज उनके पास अपना काम और आय अर्जित करने का अवसर है। कौशल्या और समूह की अन्य महिलाओं की आकांक्षाएं अब केवल उत्पाद बनाने तक सीमित नहीं हैं। वे अपने व्यवसाय को और आगे बढ़ाना चाहती हैं। उनका सपना है कि उनके हाथों से तैयार उत्पादों की पहचान गांव से निकलकर बड़े बाजारों तक पहुंचे और उनके गांव का नाम भी रोशन हो। उनकी यह आकांक्षा बताती है कि स्व-सहायता समूह महिलाओं को केवल आर्थिक गतिविधियों से नहीं जोड़ते, बल्कि उन्हें बड़े सपने देखने और उन सपनों को अपनी मेहनत से पूरा करने का आत्मविश्वास भी देते हैं। सूरजपति ने 60 हजार रुपये के ऋण को बनाया आत्मनिर्भरता की पूंजीः बतौली विकासखंड के ग्राम तारागी की श्रीमती सूरजपति की कहानी बिहान से मिले अवसर को मेहनत के बल पर सफलता में बदलने का उदाहरण है। कभी आर्थिक तंगी और आय के स्थायी साधन के अभाव से जूझ रहीं सूरजपति वर्ष 2020 में बिहान के स्व-सहायता समूह से जुड़ीं। समूह से उन्हें मार्गदर्शन के साथ आर्थिक सहयोग का रास्ता मिला। उन्होंने 60 हजार रुपये का ऋण लिया और इसे केवल घरेलू खर्च में उपयोग करने के बजाय अपने भविष्य की पूंजी बनाया। सूरजपति ने ऑटो रिक्शा संचालन शुरू किया और साथ ही किराना दुकान भी स्थापित की। एक ही आय स्रोत पर निर्भर रहने के बजाय उन्होंने दो अलग-अलग आजीविका गतिविधियों को अपनाया। धीरे-धीरे मेहनत रंग लाई और दोनों व्यवसाय उनके परिवार की आर्थिक मजबूती का आधार बन गए। आज सूरजपति को किराना दुकान से लगभग 200 रुपये प्रतिदिन और ऑटो रिक्शा संचालन से लगभग 300 रुपये प्रतिदिन की आय हो रही है। दोनों व्यवसायों से उनकी कुल दैनिक आय लगभग 500 रुपये है और वार्षिक आय लगभग 1.80 लाख रुपये तक पहुंच गई है। कभी आर्थिक तंगी से जूझने वाली सूरजपति आज 'लखपति दीदीÓ के रूप में अपनी नई पहचान बना चुकी हैं। यह उपलब्धि उनके लिए केवल आय का आंकड़ा नहीं है। आज वे परिवार के पालन-पोषण में आर्थिक रूप से मजबूत भागीदारी निभा रही हैं और अपने भविष्य के संबंध में स्वयं निर्णय लेने का आत्मविश्वास भी हासिल कर चुकी हैं। 60 हजार रुपये के ऋण से शुरू हुआ उनका सफर बताता है कि आर्थिक सहयोग को जब सही योजना, मेहनत और निरंतर प्रयास से जोड़ा जाता है तो छोटी शुरुआत भी आत्मनिर्भरता की बड़ी कहानी बन सकती है। लटोरी की 20 महिलाओं और सूरजपति की आजीविका के रास्ते अलग-अलग हैं, लेकिन मंजिल एक है—आर्थिक आत्मनिर्भरता। लटोरी की महिलाओं ने प्रशिक्षण लेकर हस्तशिल्प को रोजगार से जोड़ा। स्थानीय संसाधनों और अपने हुनर का उपयोग कर उन्होंने पर्यावरण अनुकूल उत्पाद तैयार किए और बाजार तक पहुंचने की दिशा में कदम बढ़ाए। दूसरी ओर सूरजपति ने समूह से मिले ऋण को पूंजी बनाकर ऑटो रिक्शा और किराना दुकान के रूप में आय के दो स्रोत विकसित किए। इन दोनों कहानियों में बिहान की भूमिका केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है। संगठन, प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और वित्तीय सहयोग के माध्यम से महिलाओं को अपनी क्षमता पहचानने और उसे आजीविका में बदलने का अवसर मिला है। जब कोई महिला स्वयं आय अर्जित करती है तो इसका प्रभाव केवल उसकी आर्थिक स्थिति पर नहीं पड़ता, बल्कि पूरे परिवार के जीवन में दिखाई देता है। परिवार की जरूरतों को पूरा करने, बच्चों के भविष्य की योजना बनाने और आर्थिक निर्णयों में भागीदारी करने का उसका आत्मविश्वास बढ़ता है। लटोरी की महिलाओं के लिए हस्तशिल्प आय का नया माध्यम बना है, जबकि सूरजपति के लिए ऑटो और किराना व्यवसाय आर्थिक स्थिरता का आधार बन गए हैं। दोनों उदाहरण बताते हैं कि रोजगार और स्वरोजगार के अवसर महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के साथ उनमें अपने फैसले स्वयं लेने का भरोसा भी पैदा करते हैं। स्व-सहायता समूहों की सबसे बड़ी ताकत उनकी सामूहिकता है। महिलाएं एक साथ जुड़ती हैं, बचत करती हैं, एक-दूसरे से सीखती हैं, प्रशिक्षण प्राप्त करती हैं और उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कर अपनी आजीविका को आगे बढ़ाती हैं। यह सामूहिकता कठिन परिस्थितियों में भी उन्हें आगे बढऩे का भरोसा देती है। बिहान के माध्यम से सरगुजा की महिलाएं इसी सामूहिक शक्ति को आर्थिक आत्मनिर्भरता में बदल रही हैं। उनके हाथों में केवल रोजगार नहीं आया है, बल्कि अपने पैरों पर खड़े होने और अपनी अलग पहचान बनाने का आत्मविश्वास भी आया है। सेवा संकल्प अभियान के बीच लटोरी की महिलाओं और सूरजपति की कहानी जनकल्याण से स्वावलंबन तक पहुंचते बदलाव की तस्वीर है। एक तरफ 20 महिलाओं के हाथों का हुनर आज उनके लिए आजीविका की नई संभावना बना है, तो दूसरी तरफ सूरजपति ने 60 हजार रुपये के ऋण को मेहनत से व्यवसाय में बदलकर लगभग 1.80 लाख रुपये की वार्षिक आय तक का सफर तय किया है। ये कहानियां बताती हैं कि महिला सशक्तिकरण का वास्तविक अर्थ केवल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि महिलाओं को ऐसा अवसर देना है जिससे वे अपने हुनर और मेहनत के बल पर स्वयं की आजीविका खड़ी कर सकें। बिहान से सरगुजा की ग्रामीण महिलाओं के जीवन में यही नई सुबह दिखाई दे रही है—जहां समूह से साथ मिल रहा है, प्रशिक्षण से हुनर निखर रहा है, आर्थिक सहयोग से स्वरोजगार खड़ा हो रहा है और मेहनत से महिलाएं आत्मनिर्भरता तथा सम्मान की नई पहचान बना रही हैं।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपकी गुम हुई पुरानी वस्तु आज वापस मिल जाएगी। साथ ही, आपको निवेश में लाभ होगा। इस राशि के लोगों को आज जीवनसाथी से गिफ्ट मिल सकता है, जिससे आप दोनों के रिश्ते में मधुरता बढ़ेगी। आज दूसरों की बात को भी अच्छे से समझने की कोशिश करें, इससे आपको लाभ मिलेगा। आज आप किसी अपने की मदद भी कर सकते हैं।

वृष राशिः आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज किसी बड़े मामले पर समझौता करने और सहयोग करने के लिए आप तैयार रहें। आपके रुके हुए काम आज पूरे हो जाएंगे। इस राशि के लोग आज अपने जीवनसाथी को लेकर किसी धार्मिक स्थल पर जा सकते हैं। नवविवाहित लोगों के लिए आज का दिन बहुत ही अच्छा है।

मिथुन राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज प्रोजेक्ट में आपको अपने जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा, जो आगे सफलता के लिए मददगार साबित होगा। ऑफिस के कामों में दूसरों की राय लेने से बचें, बेहतर यही होगा कि किसी अपने की मदद लें, तो काम आसानी से सफल होंगे। आपकी मेहनत आज आपके जीवन में सफलता के नए रंग भर देगी।

कर्क राशिः आज के दिन आपको धन लाभ होगा। आज किसी अजनबी से बहस न करें। पैसों के लेन-देन के मामले में किसी भी तरह का निर्णय लेने से पहले बड़ों की सलाह जरूर लें। अपने ध्यान को केंद्रित कर काम को पूरा करने की कोशिश करें। आज जो भी चीज आपके लिए रुकावट बनती है, उसे नजरअंदाज करें। इस राशि के स्टूडेंट्स किसी तरह का परीक्षा फॉर्म भर सकते हैं या इंटरव्यू में जा सकते हैं।

सिंह राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपका रुझान रचनात्मक कार्यों की तरफ ज्यादा रहेगा। नया वाहन खरीदने के लिए आज का दिन शुभ है। साथ ही, घर की साज-सजावट के लिए घरेलू उपकरणों से जुड़ी खरीदारी करने के लिए भी आज का दिन बहुत अच्छा है। लवमेट्स के लिए आज का दिन शानदार है, वे साथ में कहीं घूमने का प्लान बना सकते हैं।

कन्या राशिः कन्या राशि के लोगों के लिए आज का दिन बहुत लकी है। जो लोग मिट्टी के व्यवसाय से जुड़े हैं, उनके लिए आज का दिन बेहद फायदेमंद रहेगा। आज अपनी मेहनत और अच्छे व्यवहार के कारण आपको धनलाभ होगा। शत्रु पक्ष आज आपके प्रभाव से पस्त रहेगा। इस राशि के लोगों को पारिवारिक सुख और शांति का लाभ मिलेगा, साथ ही आपके आपसी रिश्तों में मधुरता आएगी।

तुला राशिः आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी। आज आप अपने कामों में कामयाबी का परचम लहराएंगे। आज आप खुद को मानसिक और शारीरिक रूप से फिट महसूस करेंगे। अगर आप नया वाहन खरीदने की सोच रहे हैं, तो खरीद सकते हैं।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज किसी कार्य को पूरा करने का आपका प्रयास सफल रहेगा। आज परिजनों से शुभ समाचार मिलेंगे और आपके आत्मसम्मान में वृद्धि होगी। आज किसी व्यक्ति विशेष से आपको महत्वपूर्ण मदद मिल सकती है। रात को बाहर किसी दोस्त के साथ डिनर पर जाने का मौका मिल सकता है।

धनु राशिः आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। व्यापारी वर्ग के लोगों को अच्छा धनलाभ होगा। अगर किसी नए व्यापार की शुरुआत करना चाह रहे हैं, तो आज का दिन अनुकूल है। इस राशि के लोगों को अपने जीवनसाथी से आज बहुत सारा प्यार मिलेगा, साथ ही आप कहीं धार्मिक स्थल पर जाने का मन बना सकते हैं।

मकर राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज आपका मनोबल ऊंचा रहने के कारण आपके कार्य अच्छी गति से आगे बढ़ेंगे। आज बिजनेस में बदलाव के आसार दिखाई दे रहे हैं। ऑफिस में आपकी क्रिएटिविटी पहले से और अधिक अच्छी बनेगी। इस राशि के लवमेट्स के लिए आज का दिन बहुत बढिय़ा है।

कुंभ राशिः आपके लिए बहुत बढिय़ा रहेगा। आज आपको अपने कार्यक्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल होने वाली है। साथ ही, किसी विदेशी कंपनी से जॉब का ऑफर भी आ सकता है, जिसे ज्वाइन करना आपके लिए बेहद फायदेमंद रहेगा। आज अचानक धन लाभ होने के

भारत ने पहले वनडे में न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हराया, कोहली ने जड़ा अर्धशतक

एजेंसी, ऑकलैंड



भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को पांच मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में पांच विकेट से हरा दिया। ऑकलैंड के ईडन पार्क स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में मेजबान टीम 40.2 ओवर में 185 रन पर सिमट गई। इसके बाद बारिश के कारण भारतीय टीम को डकवर्थ लुईस नियम (डीएलएस) के तहत जीत के लिए 32 ओवर में 143 रन का संशोधित लक्ष्य मिला।

भारतीय टीम ने 22.4 ओवर में पांच विकेट पर 143 रन बनाते हुए इसे हासिल कर लिया। इस जीत के साथ भारत ने पांच मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। दोनों टीमों के बीच अगला वनडे सात नवंबर को वेलिंगटन में खेला जाएगा। भारत की जीत के नायक स्टार बल्लेबाज विराट कोहली रहे, जिन्होंने 51 गेंदों में 13 चौकों और एक छक्के की मदद से 74 रन की शानदार पारी खेली। गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह ने चार विकेट लेकर न्यूजीलैंड की कमर तोड़ दी। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। इसके बाद कप्तान शुभमन गिल और पूर्व कप्तान विराट कोहली ने पारी को संभाला और तेजी से रन बटोरे। हालांकि, बारिश के कारण मुकाबले में दो बार रुकावट आई। पहली बार 10.5 ओवर के बाद खेल रोका गया। बारिश थमने पर मैच को 40 ओवर का कर दिया गया और भारत के सामने 167 रन का संशोधित लक्ष्य रखा गया, लेकिन कुछ ही देर बाद दोबारा बारिश शुरू हो गई। खेल फिर शुरू होने पर भारतीय टीम को 32 ओवर में 143 रन बनाने का लक्ष्य मिला। इसके बाद विराट कोहली ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए महज 35 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। यह उनके वनडे करियर का 80वां अर्धशतक रहा। दूसरे छोर पर शुभमन गिल ने उनका अच्छा साथ दिया। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 113 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी हुई। भारत को 114 के स्कोर पर दूसरा झटका लगा। शुभमन गिल 56 गेंदों में 37 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद विराट कोहली भी 51 गेंदों में 74 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।अक्षर पटेल बिना खाता खोले आउट हो गए। श्रेयस अय्यर ने 15 रन का योगदान दिया। अंत में नमन धीर ने चौका लगाकर भारत को जीत दिला दी। केएल राहुल तीन और नमन धीर पांच रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की ओर से जैकब डफी ने तीन विकेट लिए, जबकि काइल जैमीसन और नाथन स्मिथ को एक-एक सफलता मिली। इससे पहले टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रही और 40.2 ओवर में 185 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम की ओर से केवल पांच बल्लेबाज ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। टिम सेफर्ट ने 43 गेंदों में 38 रन बनाए। ब्लेयर टिकनर ने निचले क्रम में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 23 गेंदों में एक चौके और चार छक्कों के सहारे 34 रन जोड़े। ग्लेन फिलिप्स ने 51 गेंदों में 30 और डेरिल मिचेल ने 41 गेंदों में 28 रन बनाए। जैकब डफी 15 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं विल यंग और हेनरी निकोल्स ने नौ-नौ रन बनाए। टॉम लाथम तीन, कप्तान मिचेल सैंटनर चार, नाथन स्मिथ एक और काइल जैमीसन एक रन बनाकर आउट हुए। भारतीय टीम की ओर से तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने चार विकेट लिए, जबकि गुरनूर बरार को तीन विकेट और अंशुल कंबोज को दो विकेट मिले।

मध्य प्रदेश महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के मैचों का कार्यक्रम घोषित

एजेंसी, नई दिल्ली



एशियन हॉकी फेडरेशन (एएचएफ) ने मध्य प्रदेश महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी-2026 के मैचों का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। टूर्नामेंट का आयोजन 19 से 28 नवंबर तक भोपाल के नाथू बरखेड़ा स्थित इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के नए हॉकी स्टेडियम में किया जाएगा। प्रतियोगिता में भारत, जापान, चीन, मलेशिया, थाईलैंड और दक्षिण कोरिया की टीमें खिताब के लिए अपनी चुनौती पेश करेंगी। यह टूर्नामेंट भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि पिछले महीने जापान में आयोजित एशियाई खेलों में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने के बाद यह उनकी पहली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता है। मेजबान भारत की टीम इस टूर्नामेंट में मौजूदा चैंपियन के रूप में हिस्सा लेगी। भारतीय टीम अब तक 2016, 2023 और 2024 में यह खिताब अपने नाम कर चुकी है। ऐसे में टीम की नजर लगातार तीसरी बार चैंपियन बनने और अपने खिताबों की संख्या बढ़ाने पर होगी। टूर्नामेंट राउंड रॉबिन प्रारूप में खेला जाएगा। इसमें सभी छह टीमें एक-दूसरे के खिलाफ एक-एक मुकाबला खेलेंगी। लीग चरण के बाद अंक तालिका में शीर्ष चार स्थान हासिल करने वाली टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी। टूर्नामेंट के पहले दिन 19 नवंबर को चीन और थाईलैंड के बीच पहला मुकाबला खेला जाएगा। भारत अपने अभियान की शुरुआत मलेशिया के खिलाफ करेगा। इसी दिन मैच से पहले ओपनिंग सेरेमनी भी होगी। इसके बाद मेजबान भारतीय टीम 21 नवंबर को दक्षिण कोरिया, 22 नवंबर को थाईलैंड, 24 नवंबर को चीन और 25 नवंबर को जापान का सामना करेगी। 20, 23 और 26 नवंबर को विश्राम दिवस (रेस्ट डे) तय किए गए हैं। 27 नवंबर को पांचवें और छठे स्थान के लिए क्लासिफिकेशन मैच होगा, जिसके बाद दोनों सेमीफाइनल खेले जाएंगे। टूर्नामेंट 28 नवंबर को ब्रॉन्ज मेडल मैच और फाइनल के साथ समाप्त होगा, जिसमें पदक जीतने वाली तीन टीमों का फैसला होगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की ने कहा, "मध्य प्रदेश महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी भोपाल 2026, एशिया में महिला हॉकी की बढ़ती ताकत का जश्न मनाने का एक शानदार मौका होगा।" उन्होंने आगे कहा, "मुझे खुशी है कि भोपाल छह मजबूत टीमों की मेजबानी करेगा। मुझे उम्मीद है कि हमारी भारतीय टीम एशियाई खेलों में मिली हालिया सफलता को आगे बढ़ाएगी और अपने खिताब का बचाव करेगी।" हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि इस टूर्नामेंट में एशिया की मजबूत महिला हॉकी टीमें एक साथ नजर आएंगी।

महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी के लिए बांग्लादेश टीम का ऐलान

एजेंसी, नई दिल्ली



संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाली आगामी आईसीसी महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी के लिए बांग्लादेश ने अपनी टीम की घोषणा कर दी है। 10 टीमों के इस टूर्नामेंट में बांग्लादेश की कमान नाहिदा अख्तर के हाथों में होगी। पिछले महीने उन्हें निगार सुल्ताना जोटी की जगह टीम का नया कप्तान नियुक्त किया गया था। कप्तान बनने के बाद नाहिदा के लिए यह पहला बड़ा टूर्नामेंट होगा, जिसमें उनकी नेतृत्व क्षमता की परीक्षा होगी। बांग्लादेश को ग्रुप-बी में पाकिस्तान, थाईलैंड, नीदरलैंड और जिम्बाब्वे के साथ रखा गया है। टूर्नामेंट की शुरुआत 12 नवंबर से होगी और फाइनल 25 नवंबर को होगा। अनुभवी बल्लेबाज सोभाना मोस्तारी को टीम का उपकप्तान बनाया गया है। वहीं, पूर्व कप्तान निगार सुल्ताना जोटी भी 15 सदस्यीय टीम में शामिल हैं और खिलाड़ी के रूप में अपना योगदान जारी रखेंगी। आईसीसी वेबसाइट के अनुसार टीम की प्रमुख तेज गेंदबाज मारुफा अख्तर टखने की चोट के कारण इस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएंगी। उनकी जगह तेज गेंदबाज दिशा बिस्वास को टीम में शामिल किया गया है। इसके अलावा सलामी बल्लेबाज साथी रानी और ऑलराउंडर जन्नतुल फिरदुस सुमोना की टीम में वापसी हुई है। बांग्लादेश अपने अभियान की शुरुआत 12 नवंबर को पाकिस्तान के खिलाफ करेगा। दोनों टीमों के बीच मुकाबला अजमान (यूएई) के करवान क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा। बांग्लादेश की 15 सदस्यीय टीमनाहिदा अख्तर (कप्तान), सोभाना मोस्तारी (उपकप्तान), दिलारा अख्तर, शर्मिन अख्तर सुप्ता, शोर्ना अख्तर, दिशा बिस्वास, जुवैरिया फिरदौस, जन्नतुल फर्दूस सुमोना, राबेया खान, फाहिमा खातून, शांजिदा अख्तर मगला, रितु मोनी, साथी रानी, निगार सुल्ताना जोटी और फरीहा इस्लाम त्रिस्ना।

चैंपियंस लीग में सबसे ज्यादा गोल करने वाले किशोर खिलाड़ी बने यामल, एमबाप्पे को छोड़ा पीछा

एजेंसी, बार्सिलोना



बार्सिलोना के युवा फुटबॉलर लामिन यामल ने यूईएफए चैंपियंस लीग में ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम की। एस्टन विला के खिलाफ मंगलवार रात खेले गए मुकाबले में गोल दागते ही यामल इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले किशोर खिलाड़ी (20 वर्ष से कम) बन गए। उन्होंने फ्रांस के दिग्गज फुटबॉलर किलियन एमबाप्पे का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। 19 वर्षीय यामल ने कैंप नोउ में खेले गए मुकाबले के सातवें मिनट में एस्टन विला के खिलाफ शानदार गोल किया। चैंपियंस लीग में यह उनका 14वां गोल था। इससे पहले यह रिकॉर्ड एमबाप्पे के नाम था, जिन्होंने किशोर खिलाड़ी रहते हुए प्रतियोगिता में 13 गोल किए थे। इस मुकाबले में बार्सिलोना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एस्टन विला को 3-0 से हराया। दूसरे हाफ में राफिन्हा ने दो गोल दागकर टीम की जीत सुनिश्चित की। बार्सिलोना वेबसाइट के मुताबिक लामिन यामल लगातार रिकॉर्ड बना रहे हैं। मंगलवार को एस्टन विला के खिलाफ यह फॉरवर्ड खिलाड़ी 20 साल से कम उम्र में चैंपियंस लीग में सबसे ज्यादा गोल करने वाला खिलाड़ी बन गया। उनके नाम अब 14 गोल हो गए हैं। उन्होंने किलियन एमबाप्पे का रिकॉर्ड तोड़ दिया है, जिन्होंने अपनी किशोरावस्था के दौरान 13 गोल किए थे। लामिन यामल ने चैंपियंस लीग में सिर्फ 37 मैचों में यह आंकड़ा हासिल किया है। खास बात यह है कि वह अभी 20 वर्ष के भी नहीं हुए हैं। उनका 20वां जन्मदिन अगले साल जुलाई में आएगा। ऐसे में उनके पास इस रिकॉर्ड को और बेहतर करने के कई अवसर होंगे। एमबाप्पे अब तक चैंपियंस लीग में कुल 72 गोल कर चुके हैं और प्रतियोगिता के सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं। हालांकि, किशोर खिलाड़ियों के बीच सर्वाधिक गोल करने का रिकॉर्ड अब यामल के नाम हो गया है।

बिजनेस

इंडस टॉवर्स ने 50 हजार सोलर संचालित टेलीकॉम साइट्स के साथ रचा नया इतिहास

एजेंसी, नई दिल्ली



दूरसंचार टॉवर अवसंरचना कंपनी इंडस टॉवर्स लिमिटेड ने पूरे भारत में 50 हजार सौर-संचालित टेलीकॉम साइट्स को स्थापित करके एक नया विश्व कीर्तिमान रचा है। पैसिव टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में इतनी बड़ी संख्या में सौर ऊर्जा प्रणाली को तैनात करने वाली ये दुनिया की पहली कंपनी बन गई है। कंपनी ने बुधवार को जारी बयान में बताया कि इंडस टॉवर्स लिमिटेड ने भारत में 50 हजार सोलर संचालित टेलीकॉम साइट्स को सफलतापूर्वक स्थापित किया है। इसके साथ ही इंडस टॉवर्स व्यापक स्तर पर संधारणीय अवसंरचनाओं में वैश्विक मानक स्थापित करने वाली पहली पैसिव टेलीकॉम अवसंरचना कंपनी बन गई है। भविष्य की ओर कदम बढ़ाते हुए कंपनी का लक्ष्य एक लाख टेलीकॉम साइट्स को भी सोलर संचालित करना है, जिससे संधारणीय टेलीकॉम अवसंरचना के क्षेत्र में कंपनी की स्थिति और मजबूत हो जाएगी। दूरसंचार टॉवर अवसंरचना कंपनी ने बताया कि लगभग 300 मेगावाट की कुल स्थापित सोलर क्षमता वाले इस पहल की सहायता से ही टेलीकॉम अवसंरचना क्षेत्र में एक बड़े वितरित नवीकरणीय ऊर्जा पारिस्थितिकी का जन्म भी हो पाया है। इंडिस टॉवर्स के आंकलन के अनुसार इसका पर्यावरणीय प्रभाव लगभग 2 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है, जबकि पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता कम करके, यह परियोजना सालाना करीब 420,000 टन कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में महत्वपूर्ण योगदान देगी। इस वैश्विक कीर्तिमान पर बात करते करते हुए इंडस टॉवर्स लिमिटेड के एमडी और सीईओ प्रचुर साह ने कहा कि 50 हजार सोलर संचालित टेलीकॉम साइट्स के साथ करीब 300 मेगावाट की सोलर क्षमता का आंकड़ा प्राप्त करना केवल एक व्यावसायिक उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह संधारणीय टेलीकॉम अवसंरचना के विकास में एक ऐतिहासिक मोड़ है। प्रचुर साह ने कहा कि हमने यह साबित कर दिखाया है कि नवाचार, टेक्नोलॉजी और संधारणीयता को साथ में लेकर चलना, उद्योग और पर्यावरण दोनों के लिए कितना बड़ा और सकारात्मक बदलाव ला सकता है। उन्होंने कहा कि यह न केवल स्वच्छ ऊर्जा प्रदान करने, कार्बन उत्सर्जन को घटाने, बल्कि हमारे नेटवर्क को अधिक मजबूत बनाने में भी फायदेमंद साबित होगा। यह उपलब्धि जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ने के हमारे संकल्प को दर्शाती है। हमारा पूरा ध्यान अब 100,000 टेलीकॉम साइट्स को सोलर संचालित बनाने के अपने बड़े लक्ष्य पर है, ताकि ऊर्जा लागत को अनुकूलित करने के साथ-साथ संधारणीय डिजिटल अवसंरचना के मानकों को नए सिरे से परिभाषित किया जा सके। साह ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस यात्रा के दौरान हमने जो विशेषज्ञता, परिचालन मॉडल और टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म विकसित किए हैं, उनकी सहायता से हम अफ्रीका में भी इसी तरह की सफलता प्राप्त कर सकते हैं, जहां डिजिटल कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए विश्वसनीय और संधारणीय ऊर्जा समाधानों की अत्यंत आवश्यकता है। हमने विशाल पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों को स्थापित और प्रबंधित करने की अपनी क्षमता का प्रमाण दिया है। हमें यकीन है कि इससे वैश्विक स्तर पर संधारणीय टेलीकॉम इकोसिस्टम बनाने और उद्योग में नए मानक स्थापित करने में हमें अवश्य ही लाभ होगा।

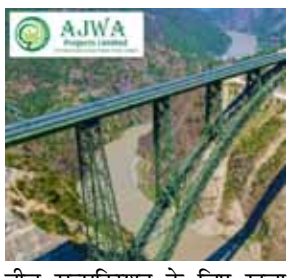
ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में बिकवाली का दबाव

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद हुए थे। वहीं डाउ जोन्स फ्यूचर्स आज सुबह गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान कमजोरी का माहौल बना रहा, जहां प्रमुख सूचकांकों में गिरावट दर्ज की गई थी। वहीं एशियाई बाजार से आज कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं, हालांकि भारतीय बाजार के लिए शुरुआती संकेत बेहतर नजर आ रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र में मजबूती का रुख देखने को मिला। एसएंडपी 500 इंडेक्स 27.85 अंक यानी 0.37 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,569.25 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं टेक कंपनियों से जुड़े नैस्डैक कंपोजिट ने भी 207.69 अंक यानी 0.83 प्रतिशत की मजबूती के साथ 25,372.01 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत, आज सुबह डाउ जोन्स फ्यूचर्स फिलहाल दबाव में नजर आ रहा है।

अजवा प्रोजेक्ट्स ने निवेशकों को किया निराश, फ्लैट लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी, नई दिल्ली



सिविल कंस्ट्रक्शन सेक्टर की कंपनी अजवा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में फ्लैट एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। इन निवेशकों को उस समय और झटका लगा, जब बिकवाली के दबाव में इस शेयर पर लोअर सर्किट लग गया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 203 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी बदलाव के 203 रुपये के स्तर पर हुई। फ्लैट लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से ये शेयर इश्यू प्राइस से भी नीचे आ गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण ये शेयर कुछ देर में ही फिसल कर 192.85 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 10.15 रुपये यानी 5 प्रतिशत का नुकसान हो गया। इस कंपनी का 38.05 करोड़ रुपये का आईपीओ 28 से 30 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.12 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन पूरी तरह से सब्सक्राइब भी नहीं हो सका। इस पोर्शन में सिर्फ 33 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.91 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 18,74,400 शेयर जारी किए जा रहे हैं। इसमें 30.45 करोड़ रुपये मूल्य के 15 लाख नए शेयर जारी किए जा रहे हैं, जबकि प्रमोटरों द्वारा 7.60 करोड़ रुपये मूल्य के 3,74,400 शेयरों की बिक्री ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए की जा रही है। आईपीओ में ओएफएस के जरिये जुटाई गई पूरी रकम बेचने वाले प्रमोटर्स के पास जाएगी। इस आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री से जुटाए गए फंड में से 8.10 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कंपनी प्लांट व मशीनरी और ट्रांसपोर्टेशन व्हीकल खरीदने के साथ ही परिसंपत्तियां खरीदने के लिए अपनी कैपिटल एक्सपेंडिचर से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने के लिए करेगी। इसके अलावा 9.35 करोड़ रुपये का उपयोग कंपनी द्वारा लिए गए कुछ बकाया कर्जों के रीपेमेंट और प्रीपेमेंट के लिए किया जाएगा। इसी तरह चार करोड़ रुपये वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने के लिए और शेष बची हुई राशि सामान्य कॉर्पोरेट जरूरतों को पूरा करने व आईपीओ खर्चों की भरपाई करने के लिए उपयोग की जाएगी। अजवा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कंपनी द्वारा जमा किए गए दस्तावेजों में दी गई जानकारी के अनुसार कंपनी की वित्तीय सेहत में पिछले वित्त वर्षों के दौरान शानदार सुधार हुआ है।

धनतेरस के पहले सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली



घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में उछाल आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 250 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 270 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। माना जा रहा है कि सोने के भाव में धनतेरस और दिवाली की वजह से तेजी का ये माहौल बना है। दूसरी ओर चांदी के भाव में आज लगातार दूसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। शुरुआती कारोबार में आज भी ये चमकीली धातु सोमवार के भाव पर ही बिक रही है। भाव में बदलाव आने के कारण देश के अलग-अलग सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,39,650 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,39,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,28,010 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,28,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण यह चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 1,99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के पुराने स्तर पर ही बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,39,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,28,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,39,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,28,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,39,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,28,060 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

शेयर बाजार में उतरेगी रेजर-पे, सेबी से आईपीओ लाने के लिए मिली हरी झंडी

एजेंसी, नई दिल्ली । देश की जानी-मानी फिनटेक स्टार्टअप रेजर-पे जल्द ही प्राइमरी शेयर बाजार में दस्तक देने जा रही है। कंपनी को अपना पहला पब्लिक इश्यू (आईपीओ) लाने के लिए मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) से हरी झंडी मिल चुकी है। सूत्रों के अनुसार, कंपनी इस पब्लिक इश्यू के जरिये 5,500 करोड़ रुपये से लेकर 6,500 करोड़ रुपये तक की पूंजी जुटाने की तैयारी में है। रेजर-पे ने अपने पब्लिक इश्यू के लिए जून 2026 में कॉन्फिडेंशियल प्री-फाइलिंग रूट के तहत गोपनीय तरीके से सेबी के पास अपने दस्तावेज जमा कराए थे। कॉन्फिडेंशियल प्री-फाइलिंग रूट के तहत कंपनियां अपनी बेहद संवेदनशील वित्तीय जानकारियों को सार्वजनिक किए बिना ही आईपीओ की शुरुआती प्रक्रिया को आगे बढ़ा सकती हैं। इस आईपीओ के जरिये कंपनी का लक्ष्य करीब 500 करोड़ डॉलर यानी लगभग 49,000 से 50,000 करोड़ रुपये का वैल्यूएशन हासिल करना है। हालांकि, यह आंकड़ा कंपनी के पिछले मूल्यांकन से थोड़ा कम नजर आ रहा है। इसके पहले साल 2021 के एक फंडिंग राउंड के दौरान रेजर-पे को करीब 750 करोड़ डॉलर का वैल्यूएशन मिला था। आपको बता दें कि आईआईटी रुड़की से पढ़ाई करने वाले हर्षिल माथुर और शशांक कुमार द्वारा साल 2014 में शुरू की गई यह कंपनी व्यापारियों को डिजिटल बैंकिंग, पेमेंट गेट-वे और पेमेंट प्रोसेसिंग जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं देती है।

जितिन प्रसाद का पोलैंड दौरा, आर्थिक और तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देने के लिए हुई चर्चा

एजेंसी, नई दिल्ली



केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने पोलैंड की राजधानी वारसॉ का आधिकारिक दौरा किया। इस दौरान उन्होंने दोनों देशों के बीच आर्थिक, तकनीकी और रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने के लिए कई उच्च-स्तरीय बातचीत कीं। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), सेमीकंडक्टर, साइबर सुरक्षा और महत्वपूर्ण खनिजों जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा की। जितिन प्रसाद ने 2-3 नवंबर को दो दिवसीय पोलैंड यात्रा के दौरान पोलैंड की राजधानी वारसॉ में प्रमुख उद्योग जगत के नेताओं के साथ कई उच्चस्तरीय बैठकें कर रक्षा, अंतरिक्ष, सूचना प्रौद्योगिकी, विनिर्माण और उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स सहित विभिन्न क्षेत्रों में भारत-पोलैंड सहयोग को मजबूत करने की संभावनाओं पर भी चर्चा की। प्रसाद ने कई उच्च स्तरीय बैठकें कीं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अर्धचालक और महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं का पता लगाया। केंद्रीय मंत्री ने भारत-पोलैंड व्यापार साझेदारी को मजबूत करने का भी आह्वान किया और भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते के तहत अवसरों पर प्रकाश डाला। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बताया कि जितिन प्रसाद के साथ में 12 भारतीय कंपनियों के प्रतिनिधियों वाला एक व्यापार प्रतिनिधिमंडल था। इस दौरे का उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और प्रौद्योगिकी साझेदारी को भी मजबूत करना था। दौरे के दौरान मंत्री ने पोलैंड के उप-प्रधानमंत्री और डिजिटल मामलों के मंत्री क्रिस्तोफ़ गाव्कोव्स्की के साथ एआई, सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर और साइबर सुरक्षा के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।

जैकी श्रॉफ और शरद केलकर की हॉरर फिल्म 'काली खेती का टीजर जारी, 20 नवंबर को सिनेमाघरों में होगी प्रदर्शित

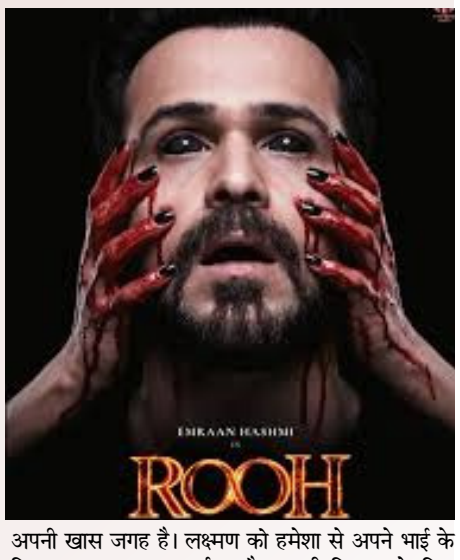


अभिनेता जैकी श्रॉफ और शरद केलकर की आगामी हॉरर-रोमांचक फिल्म 'काली खेती का टीजर जारी कर दिया गया है। हारिस इम्तियाज खान के लेखन और निर्देशन में बनी यह फिल्म ग्रामीण परिवेश में डर की एक अनूठी कहानी पेश करेगी। फिल्म में जैकी श्रॉफ और शरद केलकर के साथ नेहा सरगम मुख्य अभिनेत्री के रूप में नजर आएंगी। फिल्म का निर्माण सना खान ने ब्लैक कैनवस स्टूडियो के बैनर तले किया है। इसकी कहानी कृषि और ग्रामीण जीवन को भय तथा रहस्य के नजरिये से प्रस्तुत करती है। टीजर की शुरुआत एक ऐसे गांव से होती है, जहां रात का अंधेरा फैलते ही एक रहस्यमयी और डरावनी शक्ति जाग उठती है। यह शक्ति इंसानी नहीं है और उसके प्रभाव से गांव के खेतों में अजीब घटनाएं होने लगती हैं। कहानी में दिखाया गया है कि खेत रहस्यमयी तरीके से लोगों का खून पीने लगते हैं, जिससे पूरे गांव में भय का माहौल बन जाता है। फिल्म में जैकी श्रॉफ का किरदार इस शैतानी ताकत के रहस्य का पता लगाने की जिम्मेदारी उठाता है। टीजर में पारिवारिक इतिहास, पुश्तैनी अभिशाप और जमीन के नीचे दफन खौफनाक रहस्यों की झलक दिखाई गई है। ग्रामीण परिवेश में बुनी गई यह कहानी दर्शकों को डर और रोमांच से भरपूर अनुभव देने का प्रयास करेगी। 'काली खेती 20 नवंबर 2026 को देशभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी।

इमरान हाशमी की हॉरर फिल्म रूह का मोशन-पोस्टर जारी

2027 में तीन भाषाओं में होगी प्रदर्शित

नमित मल्होत्रा की रामायण को लेकर जबरदस्त बज बना हुआ है। फिल्म की रिलीज से पहले मेकर्स कैरेक्टर्स पोस्टर रिलीज कर रहे हैं। अब फिल्म से लक्ष्मण के रूप में रवि दुबे का सोलो कैरेक्टर पोस्टर रिलीज कर दिया है। इस पोस्टर के साथ दर्शकों को महागाथा के सबसे सम्मानित पात्रों में से एक के रूप में एक्टर का कभी न देखा जाने वाला अवतार देखने मिलने वाला है। रवि दुबे इस पोस्टर में एक वीर योद्धा के अवतार में नजर आ रहे हैं। पोस्टर में उन्होंने हाथ में धनुष-बाण थामा है, जबकि चेहरे पर साहस, पक्का इरादा और लडने के लिए तैयार रहने वाला जोश साफ नजर आ रहा है। पोस्टर में इस माहौल को महसूस किया जा सकता है जो रणबीर कपूर के बतौर राम के रूप में सामने आए पोस्टर में देखने मिला था। राम और लक्ष्मण भाई हैं और पोस्टर में भी उनके इस रिश्ते को महसूस किए जाने वाले जुड़ाव को भी देखा जा सकता है। फिल्म के मेकर्स ने सोशल मीडिया पर रवि दुबे को लक्ष्मण के रूप में पेश करते हुए उनका एक दमदार पोस्टर शेयर किया। इसके साथ ही उन्होंने लिखा, एक समर्पित भाई। एक निडर योद्धा। राम की ढाल। रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में। रामायण में लक्ष्मण के किरदार की



अपनी खास जगह है। लक्ष्मण को हमेशा से अपने भाई के लिए प्यार, सम्मान, समर्पण और उनकी निडरता के लिए बेहद पसंद किया गया है। ऐसे में अब इस सोलो कैरेक्टर रिवील के साथ मेकर्स ने दर्शकों को रवि दुबे द्वारा निभाए गए मशहूर योद्धा के किरदार की झलक दी है। फिल्म में लक्ष्मण के किरदार में कदम रखने के बारे में बात करते हुए रवि दुबे कहते हैं, लक्ष्मण का किरदार निभाना एक ऐसा एहसास है, जिसे शब्दों में बयां करना आसान नहीं है। वह ताकत, साहस, भक्ति और निस्वार्थ भावना का अनोखा मेल हैं। भगवान राम के प्रति उनका अटूट प्रेम और उनके आदर्शों के लिए समर्पण हमेशा से मुझे प्रेरित करता रहा है। उन्होंने कहा, ऐसे पूजनीय किरदार को पर्दे पर निभाने का मौका मिलना मेरे लिए सम्मान की बात है, साथ ही यह एक बड़ी जिम्मेदारी भी है, जो मेरे दिल के बेहद करीब है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस किरदार को निभाने में हमारी सच्चाई और भावनाओं को महसूस कर पाएंगे। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी सीता, रॉकिंग स्टार यश रावण, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में नजर आएंगे। नितेश तिवारी के डायरेक्शन में बनी रामायण को नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियोज ने डीएनईजी और यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के साथ मिलकर बनाया है। यह फिल्म 5 नवंबर को रिलीज होने जा रही है।

रामायण ने रिलीज से पहले मचाया धमाल, एडवांस बुकिंग हुई 100 करोड़ के पार

निर्देशक नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण पांच नवंबर को देश-दुनिया के सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने जा रही है। फिल्म की रिलीज से पहले ही दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। इसकी अग्रिम टिकट बुकिंग ने नया रिकॉर्ड कायम करते हुए दुनियाभर में 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। किसी भारतीय फिल्म के लिए प्रदर्शन से पहले ही इतनी बड़ी कमाई हासिल करना बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। फिल्म की अग्रिम बुकिंग रिलीज से 15 दिन पहले शुरू हो गई थी। तीन नवंबर की सुबह तक भारत में टिकटों की अग्रिम बिक्री से करीब 58 करोड़ रुपये की कमाई हो चुकी थी। इसमें से लगभग 27 करोड़ रुपये पहले दिन के लिए बुक हुए टिकटों से प्राप्त हुए हैं। वहीं, दूसरे और तीसरे दिन की अग्रिम बिक्री से



अब तक करीब 25 करोड़ रुपये की कमाई हो चुकी है। फिल्म की खास बात यह है कि टिकटों की मांग केवल पहले दिन तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे सप्ताहांत के लिए दर्शकों में उत्साह बना हुआ है। चौथे दिन यानी दीपावली के दिन के लिए अभी कुछ ही शो की बुकिंग शुरू हुई है, लेकिन इनकी मांग भी तेजी से बढ़ रही है। देशभर में अब तक लगभग 15 लाख टिकटों की अग्रिम बिक्री हो चुकी है। फिल्म की टिकट बिक्री में आईमैक्स सहित प्रीमियम प्रदर्शन प्रारूपों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। कुल अग्रिम बिक्री में इनका योगदान लगभग एक-चौथाई बताया जा रहा है। इससे फिल्म को बड़े पर्दे पर देखने के इच्छुक दर्शकों की संख्या का अंदाजा लगाया जा सकता है। भारतीय फिल्मों में अग्रिम बुकिंग के जरिए 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने वाली फिल्मों की सूची में अब तक 'बाहुबली 2, 'आरआरआर, 'पुष्पा 2 और 'धुरंधर 2 जैसी चुनिंदा फिल्में शामिल रही हैं। अब 'रामायण भी इसी श्रेणी में पहुंच गई है। मौजूदा टिकट बिक्री को देखते हुए फिल्म से शानदार शुरुआती कमाई की उम्मीद जताई जा रही है। 'रामायण को दो भागों में प्रदर्शित किया जाएगा। इसका पहला भाग पांच नवंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में आएगा, जबकि दूसरा भाग दीपावली 2027 में रिलीज करने की योजना है। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता, यश रावण, रवि दुबे लक्ष्मण और सनी देओल भगवान हनुमान की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम सहित पांच भाषाओं में प्रदर्शित होगी। भव्य निर्माण, लोकप्रिय कलाकारों और रामायण की पौराणिक कथा के कारण फिल्म को लेकर दर्शकों में पहले से ही खास उत्सुकता बनी हुई है।

रश्मिका मंदाना की मैसा में दिखेगा बाप-बेटी का अनोखा रिश्ता, पहला गाना जल्द होगा रिलीज

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की आगामी फिल्म मैसा को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता लगातार बढ़ रही है। इस फिल्म में रश्मिका एक बिल्कुल नए और दमदार अवतार में नजर आएंगी, जो उनकी पिछली भूमिकाओं से काफी अलग है। यह एक्शन थ्रिलर फिल्म आदिवासी इलाकों की पृष्ठभूमि पर आधारित है और सिर्फ जबरदस्त एक्शन ही नहीं, बल्कि एक पिता और बेटी के गहरे भावनात्मक रिश्ते को भी पर्दे पर पेश करेगी। फिल्म 27 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म के पहले गाने ओ मैसा रे की घोषणा के साथ ही इसका एक आकर्षक पोस्टर भी जारी किया गया है। पोस्टर में आग की लपटों के बीच एक प्रभावशाली सिल्हूट दिखाई दे रहा है, जो गाने के जोशीले अंदाज और फिल्म के एक्शन से भरपूर माहौल की स्पष्ट झलक देता है। इस गाने को मशहूर संगीतकार जैक्स बिजॉय ने कंपोज किया है। मेकर्स को उम्मीद है कि इसका संगीत फिल्म की कहानी और उसके देसी, प्रामाणिक अंदाज को एक अलग पहचान देगा, जिससे दर्शक भावनात्मक रूप से जुड़ पाएंगे। मैसा की कहानी भारतीय सिनेमा में एक नया आयाम जोड़ने की कोशिश करती है। जहां बाहुबली और केजीएफ जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में मां-बेटे के रिश्ते को कहानी का एक अहम हिस्सा बनाया गया है, वहीं मैसा में पिता और बेटी के बीच के असाधारण जुड़ाव को केंद्र में रखा गया है। आदिवासी इलाकों की पृष्ठभूमि में बुनी गई यह कहानी, भावनाओं की गहराई के साथ-साथ



बड़े स्तर के एक्शन सीक्वेंस भी प्रस्तुत करेगी, जो दर्शकों को एक संपूर्ण सिनेमाई अनुभव प्रदान करेगा।

फिल्म के टीजर को रिलीज के बाद से ही दर्शकों और आलोचकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। इसकी रॉ एनर्जी, भव्यता और गंभीर माहौल को लेकर काफी चर्चा हुई है, जिससे फिल्म के प्रति उत्सुकता बढ़ी है। टीजर में रश्मिका का एक्शन से भरा नया और शक्तिशाली अंदाज भी देखने को मिला, जिसने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह इस फिल्म में अपनी अभिनय क्षमता का एक अलग पहलू पेश करेंगी। अनफॉर्मुला फिल्म्स के बैनर तले बनी मैसा का निर्देशन रवींद्र पुल्ले ने किया है, जो सीता रामम जैसी सफल फिल्म से भी जुड़े रहे हैं। रवींद्र इस फिल्म में एक्शन और इमोशन को बड़े सिनेमाई स्तर पर पेश करने का प्रयास कर रहे हैं। जैक्स बिजॉय का संगीत भी इसके एक्शन और ड्रामे को प्रभावशाली बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। रश्मिका मंदाना इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रही हैं और उनका किरदार अब तक देखे गए उनके अवतारों से काफी भिन्न बताया जा रहा है।

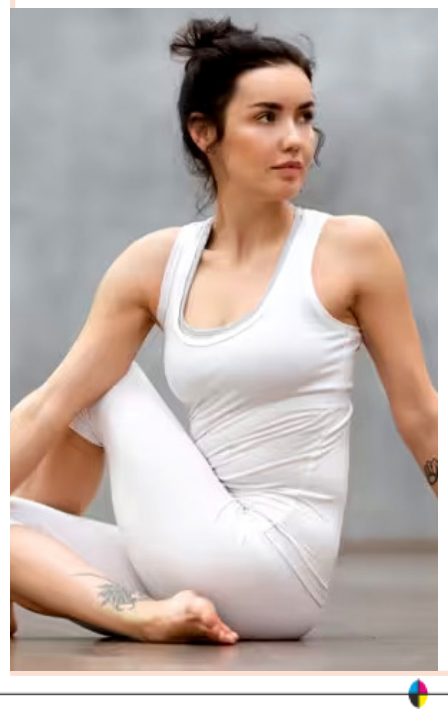
किंग के नए गाने में सुहाना खान की पहली झलक को लेकर अटकलें

अभिनेता शाहरुख खान की आने वाली फिल्म किंग को लेकर सोशल मीडिया पर जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। हाल ही में फिल्म का नया गाना तू मिल जाए जारी किया गया है, जिसने दर्शकों के बीच उत्सुकता और बढ़ा दी है। इस रोमांटिक गाने में शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की शानदार केमिस्ट्री देखने को मिल रही है, जिसे फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। हालांकि, इस गाने के साथ एक और बात सुर्खियों में आ गई है। कई फैंस यह दावा कर रहे हैं कि उन्हें इस गाने में शाहरुख खान की बेटी, सुहाना खान की भी एक झलक देखने को मिली है। इस कथित झलक ने सोशल मीडिया पर चर्चाओं का बाजार गर्म कर दिया है और लोग फिल्म में उनके किरदार को लेकर कयास लगा रहे हैं। यह खास सीन गाने के लगभग दो मिनट बाद आता है, जो देखने में एक एक्शन सीक्वेंस का हिस्सा प्रतीत होता है। इसमें एक लड़की आग की लपटों से घिरे एक घर की तरफ देखती हुई नजर आती है। हालांकि, लड़की का चेहरा स्पष्ट रूप से नहीं दिखता, लेकिन फैंस का मानना है कि यह सुहाना खान ही हैं, जिन्होंने शायद फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस छोटी सी झलक ने दर्शकों के



बीच कई तरह की अटकलें पैदा कर दी हैं। एक फैन ने कमेंट किया, सुहाना खान? वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा, मुझे लगता है कि किंग के नए गाने में ये सुहाना खान ही हैं। कुछ ने इससे भी आगे बढ़कर सवाल किए, जैसे क्या सुहाना खान किसी चीज का सिर पकड़े हुए हैं? इन सवालों ने फिल्म की कहानी को लेकर उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। एक फैन ने तो फिल्म की पूरी कहानी को लेकर अपनी एक थ्योरी भी साझा की। उसने लिखा, सुहाना के हाथ में दीपिका का सिर है। फिल्म में दीपिका, सुहाना की मां का किरदार निभा रही हैं। मुझे लगता है कि किंग में दुश्मन गैंग दीपिका को मार देगी और सुहाना को भी जान से मारने के लिए उसका पीछा करेगी। इसके बाद किंग को सुहाना को बचाना होगा और अपने दुश्मनों से बदला लेना होगा।

शरीर को डिटॉक्स और रीढ़ को लचीला बनाता है अर्ध मत्स्येन्द्रासन



आधुनिक जीवनशैली और घंटों एक ही जगह बैठकर काम करने की आदत हमारे शरीर को नुकसान पहुंचाता है। योग के कई आसनों में से अर्ध मत्स्येंद्रासन एक ऐसा आसन है, जो हमारे पूरे शरीर के लिए बहुत फायदेमंद है। यह आसन रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाता है, पेट के अंगों को सही तरीके से काम करने में मदद करता है। अर्ध मत्स्येंद्रासन, हठयोग का एक प्रमुख और महत्वपूर्ण आसन है, जिसे महान योगी और हठयोग के प्रवर्तकों में से एक, महर्षि मत्स्येंद्रनाथ के नाम पर रखा गया। संस्कृत में अर्ध का अर्थ आधा, मत्स्य का अर्थ मछली और इंद्र का अर्थ राजा होता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, इस आसन के नियमित अभ्यास से शरीर की सुप्त ऊर्जा जागृत होती है और रीढ़ का स्वास्थ्य उत्तम बना रहता है। यह आसन केवल शारीरिक व्यायाम



नहीं, बल्कि आंतरिक संतुलन प्राप्त करने की एक वैज्ञानिक विधि है। यह एक प्रमुख ट्विस्टिंग (मोड़ने वाला) योगासन है, जो न केवल शरीर की जकड़न को दूर करता है बल्कि आंतरिक अंगों की मालिश कर शरीर को डिटॉक्स (विषमुक्त) करने में भी मदद करता है। आइए, इस प्राचीन और लाभकारी आसन के महत्व, सही तकनीक और स्वास्थ्य लाभों को विस्तार से समझें।

हठयोग प्रदीपिका में मूल रूप से मत्स्येंद्रासन (पूर्ण मत्स्येंद्रासन) का वर्णन मिलता है। आधुनिक योग अभ्यास में इसी आसन को सरल और सुलभ बनाने के लिए इसके आधे रूप यानी अर्ध मत्स्येंद्रासन का विकास किया गया। इस आसन का नाम नाथ संप्रदाय के महान योगी मत्स्येंद्रनाथ के नाम पर रखा गया है।

अर्ध मत्स्येंद्रासन करने का तरीका भी ज्यादा कठिन नहीं होता और नियमित अभ्यास करने पर इसके परिणाम साफ नजर आने लगते हैं। इस आसन को करने के दौरान शरीर को आधा मोड़ते हैं, जिससे शरीर में खून का संचार बेहतर हो जाता है और ऊर्जा का प्रवाह भी बढ़ता है। यही वजह है कि इसे सबसे बेहतरीन आसनों में से एक माना जाता है। इसके अलावा, यह आसन मधुमेह के मरीजों के लिए भी मददगार माना जाता है। पेट के हिस्से में खिंचाव होने से अग्न्याशय (पैंक्रियास) की कार्यक्षमता बेहतर होती है, जिससे इंसुलिन का स्राव संतुलित होता है। हालांकि, मधुमेह से जुड़े किसी भी अभ्यास को शुरू करने से पहले डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी होता है।

BRIFF NEWS

E-sign for SIR tribunal judges soon, can upload bulk orders on portal



New Delhi, Agency: Having updated the appellate tribunal portal for Bengal around two weeks back to enable judges to rely on documents beyond the 13 listed in SIR order, Election Commission will, within this week, also replace Aadhaar-authenticated e-sign with digital signature certificate as a mandatory requirement for judges to login and upload their orders.

According to sources in EC, two more requests from SIR tribunal judges have been accepted and operationalised. The appellate tribunals platform now enables them to upload their orders in bulk, rather than one at a time. This is expected to save effort and time, given that a large number of orders passed by the tribunals in over a month were not uploaded due to the judges' reservations about Aadhaar authentication screen introduced in Sept this year. ECINET portal would also allow judges to save their orders as drafts, enabling them to make changes before issuing the final order.

Sources told Media EC had, nearly two weeks back, tweaked its dedicated portal for the tribunals, adding a 14th category to the list of eligible documents, namely "any other document".

First in 47 years: No operational fatality in CRPF in an entire year



New Delhi, Agency: CRPF has completed a year without a single operational fatality for the first time in 47 years, despite high-risk deployments across Jammu & Kashmir, Left-wing extremism-hit areas and Manipur.

"A significant milestone in the history of CRPF - 12 consecutive months have passed without any operational fatality, the last operational fatality being on Oct 30, 2025," CRPF DG G P Singh said Monday. He credited the milestone to modern hardware, better training, strategic planning and high-speed evacuation of injured personnel to medical facilities.

CRPF personnel led the battle against LWE in 2026, hitting Maoists in pocket boroughs and eliminating their leadership. In Manipur, CRPF is deployed since violence broke out there in 2023. The state continues to face bouts of violence, many over the past one year..

Since 1947, 2,268 CRPF men have been killed in operations, averaging over 28 fatalities a year. The highest toll was 143 in 2010, largely due to a Maoist ambush that killed 75 personnel.

A CRPF official attributed zero fatalities to course-correction. Operations are planned, personnel get protective gear, and routine movements in high-risk areas are treated like operational movements. Also, 1.5 times the required force is deployed.

Ghorasahan CHC in-charge's posting raises questions amid pending disciplinary proceedings

Allegations of bribery, forged medical reports and financial irregularities recorded in suspension order; employees also flag salary delays

Sagar Suraj

Motihari: The posting of Dr Sanjay Kumar as in-charge of Ghorasahan Community Health Centre (CHC) has raised questions over the health department's administrative decisions, as serious allegations against the doctor recorded in an earlier government suspension order remain a matter of departmental scrutiny.

Dr Kumar was suspended through Bihar health department notification No. 687(9), dated June 23, 2025, when he was serving as in-charge medical officer at Mashrakh CHC in Saran district.

The suspension order cited allegations of preparing fake birth certificates and injury reports, failing to initiate action against unauthorisedly absent medical officers, accepting an alleged bribe of Rs 7,900 through an intermediary for preparing an injury report, irregularities in the medicine stock register and



placing purchase orders through a data entry operator despite the posting of an accountant.

His suspension was subsequently revoked under departmental notification No. 125(9). However, the order explicitly stated that disciplinary proceedings would continue separately and that a decision on the suspension period would depend on their outcome. The revocation, therefore, did not amount to exoneration.

East Champaran Civil Surgeon denied being Dr Kumar's batchmate, calling the claim a rumour. He said the doctor's posting after suspension revocation took place during his predecessor's tenure. He assured that any formal complaint would be investigated and action taken if warranted.

The January 1, 2026, Master Circular of Bihar's General Administration Department also raises questions about the appropriateness of postings during disciplinary proceedings. It calls for examining the nature of allegations, the proposed assignment, the possibility of influencing evidence or witnesses and the suitability of entrusting sensitive financial or administrative responsibilities. Though a pending inquiry does not automatically bar a posting, the circumstances warrant scrutiny.

Meanwhile, several Ghorasahan CHC employees have orally, reportedly complained of delayed salary payments, triggering suspicions over financial management.

The allegations however require examination of payment records, bills and expenditure; no financial wrongdoing has yet been established officially.

Responding to the controversy, East Champaran Civil Surgeon denied being Dr Kumar's batchmate, calling the claim a rumour. He said the doctor's posting after suspension revocation took place during his predecessor's tenure. He assured that any formal complaint would be investigated and action taken if warranted.

EC can't monopolise voter awareness campaigns: SC sets aside order denying permission to civil society

New Delhi, Agency: The Supreme Court on Monday said Election Commission did not have a monopoly over conducting 'voter awareness campaigns" while disapproving EC's refusal to permit a civil society group led by Aruna Roy from running a campaign to educate voters to choose representatives carefully and not barter their votes for bribes.

Setting aside Rajasthan State Election Commission's Oct 9 refusing permission for the civil society in this regard, a bench of Chief Justice Surya Kant, and Justices Joymalya Bagchi and V Mohana gave 48 hours to the SEC to consider their representation to run voter awareness campaigns for the final phase of Zila Parishad and Panchayat Samiti elections sched-



uled for Nov 14.

SEC, through advocate Amit Kuri, said permission was refused keeping in mind the imposition of prohibitory orders for maintenance of law and order situation before the elections to keep at bay unwanted and anti-social elements.

Roy's counsel Prashant Bhushan said it is a voter awareness campaign and not political activity and questioned the legitimacy of blanket imposition of prohibitory orders under Section 163 of BNSS to prohibit congregation for any political purpose. The bench told SEC that EC conducting voter awareness programmes does not mean others are prohibited from doing similar exercises. "In the event they do or indulge in any corrupt practices, you are there to rectify it. But you cannot monopolise voter awareness campaigns. Everyone has a right to do so."

SC turned to Bhushan and said civil society cannot give a general application seeking permission to carry out voter awareness campaigns and said it must specify the place and time for conducting such exercise to the authorities concerned for permission.

First in 47 years: CRPF completes 12 months without any operational casualties

New Delhi, Agency: The Central Reserve Police Force (CRPF) has completed 12 consecutive months without losing any personnel in operational fatalities, marking an achievement not recorded in the force in 47 years.CRPF Director General GP Singh congratulated personnel on the milestone, saying the last operational death in the force was recorded on October 30, 2025. The previous time the CRPF went such a long period without an operational fatality was before January 1979.

Sharing the achievement on X, Singh wrote, "A significant milestone in the history of CRPF - 12 consecutive months (One Year) have passed without any Operational fatality in the force, the last operational fatality in the force being on Oct 30th 2025. This has happened after 47 Years (last such period ended in January 1979)." He attributed the achievement to improvements in equipment, training and operational planning.



Cyclone Murusu: 19 flights cancelled NDRF on standby as coastal states brace for severe storm - top development

New Delhi, Agency: Severe cyclonic storm Murasu is set to make landfall along the south Andhra Pradesh coast between Nellore and Narsapur in the early hours of Tuesday, bringing heavy rainfall and winds of up to 120 kmph. The approaching cyclone has put several coastal states on alert, disrupted flight operations and triggered evacuation and relief measures.

The India Meteorological Department (IMD) said Murasu was very likely to move northwestwards and cross the coast near Ongole between 11.30pm on Monday and 4am on Tuesday, with wind speeds of 100-110 kmph, gusting up to 120 kmph.

Heavy rainfall has already lashed parts of Tamil Nadu and



Andhra Pradesh, while Odisha has stepped up preparedness amid concerns over fresh damage following Cyclone Arnab.

Here are the top developments: At least 19 domestic flights were cancelled across Vijayawada, Visakhapatnam and Tirupati airports as the cyclone approached the Andhra Pradesh coast. Vijayawada Airport director M Lakshmi Kantha Reddy said IndiGo cancelled 10 flights and Air India Express two.

'Calibrated non-kinetic measures': How Indian Navy foiled Somali pirates, rescued 20

New Delhi, Agency: The Indian Navy rescued all 20 crew members of a hijacked fishing vessel after carrying out a coordinated operation lasting more than 48 hours off the northeastern coast of Somalia. The operation involved a mission-deployed warship, a maritime reconnaissance aircraft, Marine Commandos and an Indian Air Force (IAF) C-17 aircraft.



The Navy tracked the vessel, contained its movement and launched a tactical intervention to overcome the armed pirate threat. All 20 crew members were rescued safely, with no casualties or injuries.

The fishing vessel Azini had been hijacked by an armed pirate group earlier last month. The incident raised serious maritime security concerns, as the pirates could potentially have used the vessel as a 'mother ship' to launch further attacks against merchant ships operating in the region.

The Indian Navy responded by deploying a warship and a maritime reconnaissance aircraft to locate and intercept the hijacked vessel. The operation involved sustained surveillance, coordinated tracking and the deployment of Marine Commandos to secure the vessel.

How Indian Navy foiled pirate threat: The operation involved multiple stages, with naval and air force assets working together to locate the vessel, restrict its movement and eventually secure it.

1. Warship and reconnaissance aircraft deployed

Following the hijacking, the Indian Navy tasked a mission-deployed warship with intervening in the situation. A maritime reconnaissance aircraft was also deployed to provide aerial support.

'Air fares up by 700%': Don't fly, says SC

New Delhi, Agency: Supreme Court Monday refused to urgently list a plea against steep rise in domestic air fares during Diwali season and seeking a direction to Centre to frame a mechanism to cap air fares on domestic routes during festival periods.

The issue of regulation of air



fares is still pending before SC, a bench hearing the plea was informed while seeking the court's intervention. But the court turned down the plea.

Advocate Abhinav for the petitioner submitted that fares have gone up 700% amounts to a violation of Article 14 of the Constitution. "Don't travel by air," the bench said.

Supreme Court seeks Centre's response on whereabouts of Barman from Bangladesh

New Delhi, Agency: Bipul Chandra Barman, a resident of 'Hindu Prodhan Para' in Panchagarh district of Bangladesh, came on medical visa for treatment at Siliguri in West Bengal on March 20 last year, attended the hospital for two days, then went to Thakur Anukul Chandra Ashram at Deoghar and is untraceable since March 24 last year.



For the ministry of external affairs (MEA), additional solicitor general Archana Pathak Dave informed the Supreme Court, which has in session of a habeas corpus petition by Barman's wife in session, that the person remains untraceable and that the relatives must lodge a zero FIR relating to a missing person complaint with Jharkhand police at Deoghar.

The wife, through her counsel, said on Jun 30 last year, the Bangladesh High Commission in Kolkata, acting on a request from MEA, issued a letter to the Bangladesh government seeking verification of a person detained in India and identified as Bipul Chandra Pradhan. In August last year, the Bangladesh foreign ministry sent a letter to the Indian home ministry confirming that Barman is a Bangladeshi citizen and has no criminal antecedents. In search of her husband, the wife travelled to India and gave representation for Barman's release in June this year. Finding no response, she moved the SC.

What was intriguing for the SC was the categorical denial by the MEA that Barman has neither been detained, arrested, nor deported by Indian authorities and that his status remains as a missing person. Dave also informed the court that Indian authorities have not communicated at all with the Bangladesh counterparts on Barman. Adding further complications to an already complicated case, the West Bengal government informed the court that Barman's mobile phone number was found to be used by a person at Barh in Bihar, which is proximate to Deoghar in Jharkhand, the place he visited last before becoming untraceable.

Row erupts after Scottish govt sends IT contract to Bengaluru to administer welfare payment

New Delhi, Agency: The Scottish National Party, which governs Scotland, has come under fire from opposition ministers for handing a £35.4 million (almost Rs 450 crore) contract to an IT services company in Bengaluru.

Under the contract, Mphasis will manage and maintain Scotland's benefits management platform that delivers welfare benefits to around two million citizens across Scotland.

Scotland first minister John Swinney has just returned from a trade mission to India where he was meant to be finding oppor-



tunities to support jobs and prosperity across Scotland, so news that he has instead sent lucrative work to India has sparked fiery criticism back home.

Scottish Labour's social justice spokesman, Mark Griffin, told the "Scottish Mail on Sunday": "We should be using public contracts like this to boost local business and the Scottish economy and create jobs in Scotland. All too often, under SNP, good work has flowed overseas. SNP ministers should explain why this decision was made." Shadow secretary of state for Scotland Harriet Cross posted on X: "They send millions to India to help administer their ballooning benefits system. This is taxpayers' money. And they're sending it abroad."

"Our ongoing relationship with Social Security Scotland allows us to support one of the country's most critical public service platforms, and our commitment is to maintain continuity, improve operational efficiency and deliver meaningful outcomes for individuals and families across Scotland. The project aligns with our broader public sector focus; supporting govt organisations in running secure, reliable and future-ready digital services," said Ashish Devalekar, executive vice-president and head of Europe, Mphasis.

A Social Security Scotland spokesperson told Media: "Contracts are awarded in line with the Scottish govt's procurement guidelines, which state that bids are to be treated equally, regardless of the location.